नई दिल्ली। सोमवार, 07 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 242/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026...
@ विचार आखिर क्या है मनुस्मृति में : तटस्थ विमर्श...
@ व्यापार अगले हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी के लिए...

विश्व केसरी खबर झरोखा

ईरान की चेतावनीः हमला हुआ तो 'दर्दनाक जवाब'

दुबई। ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंधों से अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे प्रतिकूल असर से निपटने के प्रयास तेज करने की बात कही है। साथ ही एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने चेतावनी दी है कि दोबारा हमला होने पर ईरान 'दर्दनाक जवाब' देगा।

अमेरिका-इजराइल के हमलों के छह महीने बाद भी युद्ध गतिरोध में फंसा नजर आ रहा है। जून में हुआ प्रारंभिक युद्धविराम समझौता टूट चुका है, जबकि शांति प्रक्रिया को फिर से पटरी पर लाने की कूटनीतिक कोशिशों में अब तक खास प्रगति नहीं हुई है।

पेप्टाइड्स का बढ़ता चलन, डॉक्टरों ने जताई सुरक्षा को लेकर चिंता

नई दिल्ली। वजन घटाने, मांसपेशियों की रिकवरी, बढ़ती उम्र के असर को कम करने और लंबी उम्र के लिए इंजेक्शन के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले पेप्टाइड्स की बढ़ती लोकप्रियता ने डॉक्टरों की चिंता बढ़ा दी है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि कुछ वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पेप्टाइड दवाओं की सफलता को ऑनलाइन प्रचारित किए जा रहे प्रयोगात्मक यौगिकों की सुरक्षा और प्रभावशीलता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह चिंता उस समय और बढ़ गई जब बेंगलुरु में प्रस्तावित 'पेप्टाइड पार्टी' को नियामकीय हस्तक्षेप के बाद रद्द कर दिया गया। यह घटना इस व्यापक रुझान को भी सामने लाती है कि लोग पारंपरिक चिकित्सा व्यवस्था से बाहर जाकर पेप्टाइड आधारित उपचारों को आजमाने में रुचि दिखा रहे हैं।

हनुमान अंश' की बॉक्स ऑफिस कमाई 100 करोड़ पार

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु नीम करौली बाबा के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म की कहानी मां की मौत के बाद शोक में डूबे युवक लक्ष्मीनारायण के इर्द-गिर्द घूमती है। वह ईश्वर की तलाश में आध्यात्मिक यात्रा पर निकलता है। उत्तर भारत की यात्रा के दौरान जीवन, मृत्यु और मानवीय पीड़ा से जुड़े सवालों के जवाब तलाशते हुए लक्ष्मीनारायण आगे चलकर श्रद्धेय संत नीम करौली बाबा के रूप में परिवर्तित होता है। प्रेम, सेवा और करुणा पर आधारित उनकी शिक्षाओं ने अनगिनत लोगों के जीवन को प्रभावित किया।

एम्स-जम्मू को मिलेगा सीआईएसएफ का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। जम्मू स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देश का पहला ऐसा अस्पताल बन सकता है, जिसकी सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सशस्त्र जवानों की टुकड़ी करेगी। अधिकारियों के अनुसार, भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब स्थित होने के कारण अस्पताल को संवेदनशील स्थान माना गया है। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के विजयपुर क्षेत्र में स्थित यह अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय 226.84 एकड़ में फैला है। यह श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के किनारे स्थित है और भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एम्स-जम्मू में सीआईएसएफ की सशस्त्र टुकड़ी तैनात किए जाने की तैयारी है। अस्पताल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में किया था।

दिल्ली में 5 मंजिला हॉस्टल की बिल्डिंग ढही, 4 की मौत

50 से अधिक के दबे होने की आशंका, राहत-बचाव जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 5 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। मरने वालों में एक छात्र और एक मजदूर है, जबकि 2 की पहचान अभी नहीं हुई है। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 12 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मलबे में दबे एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर शेयर किया। उसने लोगों से रेस्क्यू की अपील की। घटनास्थल पर मौजूद एक युवक ने भास्कर रिपोर्टर को बताया कि यह युवक उसका दोस्त है। वह बार-बार फोन करके कह रहा है कि मुझे बचा लो।

घटना दोपहर 1:30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

सत्य निकेतन हादसे पर छलका पीएम मोदी का दर्द, पीड़ितों का बढ़ाया हौसला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि घटनास्थल पर अधिकारी राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। हादसे से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

घटना पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और राहत-बचाव अभियान तेजी से चलाए जाने की बात कही।

सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना अत्यंत दुखद है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। संबंधित अधिकारी घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं और प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता की जा रही है।

'जिम्मेदार व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा': सीएम रेखा गुप्ता

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में गिरी कई मंजिला इमारत से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और 11लोगों को अब तक बचाया जा चुका है। मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना पर दुख जताया है।

सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर दिल्ली की रेखा गुप्ता ने कहा कि 11 लोगों को बचाया गया है। मैं अस्पताल जा रही हूं। हमें बचाए गए सभी लोगों की हालत के बारे में जानना होगा। मैं बस इतना कह सकती हूं कि इसके लिए जो भी जिम्मेदार है, चाहे वह इमारत का मालिक हो या कोई अधिकारी... उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इमारत पुरानी थी और उसमें कुछ निर्माण और मरम्मत का काम चल रहा था। बेसमेंट में खुदाई का काम हो रहा था, जिसकी वजह से एक पिलर खिसक गया और पूरी इमारत ढह गई। इमारत का इस्तेमाल पीजी के तौर पर हो रहा था और अंदर बच्चे मौजूद थे। सभी एजेंसियां लगातार काम कर रही हैं। हमारी प्राथमिकता सबसे पहले इन बच्चों की जान बचाना है। बचाव अभियान इसी तरह जारी रहेगा। सभी अधिकारी यहां मौजूद हैं और किसी भी चीज की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। हालांकि, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि सत्य निकेतन, आरके पुरम स्थित घटनास्थल पर सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बचाव अभियान की बारीकी से निगरानी की जा रही है। सभी एजेंसियां समन्वय में काम कर रही हैं और सभी प्रयास सुरक्षित बचाव पर केंद्रित हैं। राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी हैं। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पीड़ितों से मिलने एम्स पहुंच रही हैं ।

सत्य निकेतन हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जताया दुख

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सत्य निकेतन में इमारत गिरने की दुखद घटना से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

शरणार्थियों पर तालिबान और यूएनएचसीआर के बीच चर्चा, सहयोग बढ़ाने पर जोर

काबुल। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के अफगानिस्तान प्रतिनिधि अराफात जमाल से मुलाकात कर अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी और उनके पुनर्वास को लेकर चर्चा की।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने तालिबान सरकार और यूएनएचसीआर के बीच सहयोग एवं समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया, ताकि लौटने वाले शरणार्थियों को बेहतर सहायता और पुनर्वास सुविधाएं मिल सकें।

बैठक में उन देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई, जो अफगान शरणार्थियों की वापसी और पुनर्स्थापन में सहयोग कर रहे हैं।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां पड़ोसी देशों से अफगान शरणार्थियों की बढ़ती निर्वासन कार्रवाई पर चिंता जता रही हैं और उनकी सुरक्षित व सम्मानजनक वापसी की मांग कर रही हैं।

तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने बताया कि शनिवार को पाकिस्तान और ईरान से 201 अफगान परिवारों के कुल 1,002 लोग अफगानिस्तान लौटे।

रिपोर्ट के अनुसार, तोरखम सीमा से 105 परिवारों के 571 लोग लौटे।

स्पिन बोल्डक सीमा से 5 परिवारों के 30 लोग लौटे। निमरोज प्रांत के सिल्क ब्रिज से 81 परिवारों के 353 लोग वापस आए। इस्लाम काला सीमा से 10 परिवारों के 48 लोगों की वापसी हुई।

तालिबान प्रशासन के अनुसार, 121 परिवारों के 692 लोगों को अफगानिस्तान के विभिन्न प्रांतों में बसाया गया।

समुद्री सुरक्षा, अदन की खाड़ी और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में नौसेना की सक्रिय निगरानी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में देश के समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए लगातार सक्रियता बनाए हुए है। अदन की खाड़ी और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के आसपास के समुद्री क्षेत्र में नौसेना विशेष सतर्कता बरत रही है। यहां नौसेना के युद्धपोत समुद्री डकैती के खतरे के बीच व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कर रहे हैं।

इन समुद्री क्षेत्रों से दुनिया का महत्वपूर्ण व्यापारिक यातायात गुजरता है। बड़ी संख्या में व्यापारिक जहाज ऊर्जा, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक सामान लेकर इस मार्ग से आवाजाही करते हैं। ऐसे में समुद्री डकैती या किसी अन्य सुरक्षा खतरे की स्थिति में इन जहाजों और उनमें सवार चालक दल की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारतीय नौसेना की समुद्री डकैती रोधी तैनाती अदन की खाड़ी में जारी है। वर्ष 2008 से अब तक नौसेना ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट पर लगातार तैनाती के माध्यम से करीब 4 हजार व्यापारिक जहाजों और हजारों नाविकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की है।

मध्य प्रदेशः सागर में नकली शराब पीने से 10 की मौत, तीन अफसर निलंबित

एजेंसी ■ भोपाल/सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में नकली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के सख्त निर्देश के बाद तीन अफसर को निलंबित किया गया है और एक को मुख्यालय में अटैच कर दिया गया है। सीएम मोहन यादव ने सुबह ही कहा था कि इस घटना के लिए दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

दरअसल, सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज, और पाटन में नकली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोगों का अब भी इलाज चल रहा है। इसे लेकर सीएम मोहन यादव के निर्देश पर सागर की सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, सागर के सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और बंडा वृत्त के आबकारी उप-निरीक्षक प्रोशनी उरेती को निलंबित कर दिया गया है। प्रशासन ने उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को जिले से हटाकर ग्वालियर मुख्यालय अटैच कर दिया है।

विपक्ष 'नाराज फूफा' की भूमिका में, भारत का विकास रोक नहीं पाएगाः नितिन नवीन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले बयान का समर्थन करते हुए विपक्ष पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश के विकास, विरासत और संस्कृति से जुड़ी हर उपलब्धि पर नाराजगी जताता है, लेकिन उसकी नाराजगी के बावजूद विकसित भारत का संकल्प पूरा होकर रहेगा।

नितिन नवीन ने रविवार को इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए विपक्ष की तुलना 'नाराज फूफा' से की थी। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज में कुछ ऐसे लोग होते हैं जो हर बात से असंतुष्ट रहते हैं और कभी संतुष्ट नहीं हो सकते। प्रधानमंत्री ने ऐसे ही लोगों के लिए 'नाराज फूफा' शब्द का इस्तेमाल किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह विपक्ष से पूछना चाहते हैं कि भारत विकास कर रहा है तो उन्हें नाराजगी होती है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर लाल चौक पर तिरंगा फहराया गया तो भी विपक्ष नाराज हुआ। नक्सलवाद जड़ों से समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है, तब भी विपक्ष खुश नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम हुआ, लेकिन विपक्ष इस उपलब्धि पर भी सवाल उठाता है।

तीर तेवर — सागर कुमार

भीरम हत्याकांडः भूपेश बघेल ने कहा था-सबूत मेरे जेब में हैं!

केंद्र सरकार ने 'ड्रग्स फ्री भारत' बनाने के लिए तैयार किया तीन साल का रोडमैप : अमित शाह

एजेंसी ■ गोवा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ अगले तीन वर्षों के लिए एक रोडमैप तैयार किया है।

शाह ने कहा कि इस अभियान के चार प्रमुख स्तंभ होंगे- इंटेलिजेंस एवं ऑपरेशन आधारित प्रवर्तन, प्रीकर्सर व सिंथेटिक ड्रग्स पर नियंत्रण, डिमांड एवं हार्म रिडक्शन तथा क्षमता निर्माण एवं समन्वय। जब प्रधानमंत्री मोदी ने देश की कमान संभाली, उस समय भारत के सामने आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी कई बड़ी चुनौतियां थीं। इनमें जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद, नक्सलवाद तथा पूर्वोत्तर में सक्रिय विभिन्न हथियारबंद गुट प्रमुख थे। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में बम धमाकों जैसी घटनाएं भी चुनौती बनी हुई थी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2019 से अब तक आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद अलगाववाद की भावना में कमी आई है और आतंकवाद पर भी प्रभावी तरीके से अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और वहां के लोगों तथा देश के बाकी हिस्सों के बीच की दूरी कम करने के प्रयास किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पांच दशक पुरानी नक्सलवाद की समस्या अब समाप्ति की ओर है। जिन लोगों ने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक 'रेड कॉरिडोर' बनाने का सपना देखा था, उनमें से कई लोगों ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण किया है और मुख्यधारा में लौटने की दिशा में कदम बढ़ाया है। पूर्वोत्तर में भी लगभग 10,000 युवाओं ने हथियार छोड़े हैं। केंद्र सरकार ने विभिन्न संगठनों के साथ 14 से अधिक समझौते किए हैं और पूर्वोत्तर अब विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सीएम योगी और यूपी प्रभारी तावड़े के बीच मुलाकात, 2027 की रणनीती पर मंथन

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने में जुटी भाजपा ने अब संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ चुनावी रणनीति को जमीन तक पहुंचाने की कवायद तेज कर दी है। इसी सिलसिले में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच संगठन, सरकार और आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

तावड़े ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग पर सीएम योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी जगदीश ईश्वरभाई पटेल भी मौजूद रहे। मुलाकात को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की रणनीतिक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पार्टी का लक्ष्य प्रदेश में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करना है। मुलाकात के बाद विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''यूपी की रफ्तार रहेगी बरकरार, तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक से भेंटकर संगठन, सरकार एवं चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से सार्थक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन एवं गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भाजपा का हर कार्यकर्ता 2027 में पुन: एनडीए सरकार बनाकर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाए जाने के बाद विनोद तावड़े का यह पहला लखनऊ दौरा है। शनिवार को उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया था। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और आगामी चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

तावड़े ने लखनऊ पहुंचने के बाद भाजपा की चुनावी तैयारियों को लेकर पार्टी की प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए कहा था कि भाजपा और एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगा और जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद पार्टी अगले पांच वर्षों तक प्रदेश की जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'पीडीए' को लेकर भी तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भाजपा अखिलेश यादव के पीडीए को नाकाम करेगी और उन्होंने पीडीए का अर्थ 'पराया धन अपना' बताया था।

तावड़े ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है।

स्टालिन ने केंद्र से 2027 की जनगणना के लिए जाति डेटा फॉर्मेट में बदलाव करने की अपील की

विश्व केसरी■

चेन्नई। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को केंद्र सरकार से अपील की कि वह 2027 की जनगणना के दौरान जाति की जानकारी इकट्ठा करने के प्रस्तावित तरीके में बदलाव करे। उन्होंने चेतावनी दी कि एक ओपन-एंडेड सिस्टम से अविश्वसनीय डेटा मिल सकता है और इस कवायद का मकसद ही खत्म हो सकता है।

स्टालिन ने उस योजना पर आपत्ति जताई जिसके तहत जनगणना करने वाले कर्मचारी किसी स्टैंडर्ड लिस्ट से चुनने के बजाय जाति के नाम खुद (मैन्युअल रूप से) दर्ज कर सकेंगे। उनका तर्क था कि स्पेलिंग में अंतर, स्थानीय शब्दावली और समुदायों के वर्गीकरण की वजह से बड़े पैमाने पर विसंगतियां पैदा हो सकती हैं।

उन्होंने केंद्र से कहा कि वह राज्य सरकारों के साथ बातचीत करे और पिछड़े वर्गों तथा अति पिछड़े वर्गों की उनकी आधिकारिक लिस्ट इकट्ठा करे। साथ ही, पूरे देश में एकरूपता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए इन श्रेणियों को पहले से तय सिलेक्शन सिस्टम के जरिए जनगणना सॉफ्टवेयर में शामिल किया जाना चाहिए।

डीएमके नेता ने तमिलनाडु सरकार से विधानसभा के मौजूदा सत्र के दौरान एक विशेष प्रस्ताव लाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रस्ताव राज्य के लोगों की चिंताओं को सामने लाएगा और केंद्र पर एक त्रुटि-मुक्त जनगणना प्रक्रिया शुरू करने का दबाव बढ़ाएगा।

स्टालिन ने केंद्र सरकार के इस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में जाति के बजाय वर्ग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को जनगणना करने वालों द्वारा दर्ज की गई अप्रतिबंधित प्रविष्टियों पर निर्भर रहने के बजाय एक स्थापित सूची से अपना समुदाय चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उनके अनुसार, एक खुली प्रणाली से कई बार गलत या दोहरा वर्गीकरण हो सकता है। उन्होंने अतीत के उन दावों का हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि अव्यवस्थित डेटा संग्रह के कारण भारत भर में 46 लाख अलग-अलग जातियों के अस्तित्व का गलत संकेत मिला था।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने केसीआर के इस्तीफे की मांग की

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने रविवार को इंदिरा पार्क में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के विपक्ष के नेता और विधायक पद से इस्तीफे की मांग को लेकर 'महा धरना' दिया। मंत्रियों समेत कांग्रेस नेताओं ने केसीआर की आलोचना करते हुए कहा कि वे वेतन और भत्ते तो ले रहे हैं, लेकिन विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जनता के पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं, लेकिन जनता से दूर रह रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर विधानसभा सत्र में एक हजार दिनों से अनुपस्थित रहने, विपक्ष के नेता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा करने और अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता से दूर रहने के कारण विधायक पद से इस्तीफा दें। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर अपने फार्महाउस में रहते हुए और विधानसभा सत्र में शामिल न होते हुए 1.32 करोड़ रुपए वेतन ले रहे हैं।

मुंबई के धारावी में एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से दो बच्चों समेत चार लोग घायल

विश्व केसरी■

मुंबई। मुंबई के धारावी इलाके में एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से 2 बच्चों समेत 4 लोग घायल हो गए। इस हादसे में अभी तक किसी के मौत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार तड़के लगी आग में दो नाबालिगों समेत चार लोग घायल हो गए और अभी उनका इलाज चल रहा है। यह घटना धारावी में राजीव गांधी स्पोर्ट्स क्लब के पास, सायन-धारावी लिंक रोड, राजीव गांधी नगर के एक दो मंजिला इमारत में हुई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के मुंबई फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, सिलेंडर में आग लगने के बाद इलाके के लोग जमा हो गए और फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही आग बुझा दी। घटना में घायल हुए चार लोगों को फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही पुलिस वैन से अस्पताल ले जाया गया। आग लगने के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस और बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) को मौके पर भेजा गया। मुंबई फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि आग को रात 12:10 बजे तक बुझा दिया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, घायलों में दो नाबालिग बच्चे हैं।

पश्चिम बंगाल में 'स्वच्छता संकल्प अभियान' पूरा, 22 जिलों में चला सफाई अभियान : सुवेंदु अधिकारी

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि राज्य सरकार का तीन दिवसीय स्वच्छता और डेंगू रोकथाम अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

उन्होंने बताया कि स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता 'स्वच्छता संकल्प अभियान' है। शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के विभाग द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय अभियान पूरे राज्य में चलाया गया। इस अभियान के तहत 22 जिलों की 128 नगर पालिकाओं के 1,600 से अधिक वार्डों में सफाई और डेंगू रोकथाम अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री ने आंकड़े शेयर करते हुए बताया कि अभियान के दौरान, 6,065 बंद पड़ी नालियों की सफाई की गई। 1,608 जगहों पर जमा कचरे को साफ किया गया। सड़कों के किनारे कचरा जमा होने वाली 4,511 जगहों को साफ किया गया। 27,378 जगहों पर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने की पहल की गई।

इसके अलावा बाजार, स्कूल-कॉलेज, सरकारी दफ्तर और अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों के परिसरों में भी सफाई अभियान चलाया गया। 1,106 बाजारों और हाट-बाजारों में सफाई की गई। 1,304 स्कूल और कॉलेज परिसरों में सफाई की गई। 544 सरकारी कार्यालय परिसर और 315 अस्पताल परिसरों में भी सफाई की गई। जागरुकता बढ़ाने के लिए 35,000 से अधिक आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री बांटी गई। इस बड़े सफाई अभियान में 118 एनजीओ और नागरिक समाज संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

तेजस्वी यादव ने महंगाई को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कहा- गरीब-मध्यम वर्ग की कमर टूटी

विश्व केसरी■

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को महंगाई के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में महंगाई गंभीर समस्या बन चुकी है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब एवं मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डबल इंजन सरकार ने खाद्य पदार्थों, पेट्रोल-डीजल, खाद-बीज, बिजली और गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ाकर किसानों और आम लोगों को परेशान कर दिया है। उन्होंने कहा कि महंगाई को डायन बताने वाले आज उसे महारानी समझकर उससे चिपके बैठे हैं। सरकार में बैठे लोग महंगाई रूपी समस्या को दूर करने में पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। राजद नेता ने कहा कि डबल इंजन सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। खाद्य पदार्थों और खाद्य तेल की कीमतें पहले ही आसमान छू रही थीं, अब खाना खरीदने के साथ-साथ उसे पकाना भी महंगा हो गया है। उज्ज्वला योजना को लेकर भी तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना का खूब प्रचार-प्रसार और महिमामंडन किया, लेकिन क्या आज सरकार में हिम्मत है कि वह गांव-गांव जाकर इस योजना की समीक्षा करे और देश को इसकी वास्तविकता बताए।

बिहार : पटना-गया रेलखंड के पुल पर पानी का जलस्तर बढ़ने से कई ट्रेनें रद्द

विश्व केसरी■

पटना। बिहार में लगातार बारिश और नदियों के बढ़े जलस्तर के बीच रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ है। पटना-गया रेलखंड पर पुनपुन और परसा बाजार के बीच पुल संख्या-21 पर पानी का जलस्तर बढ़ने के कारण रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है, जबकि कई एक्सप्रेस और मेमू ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाने का फैसला लिया गया है।

पूर्व मध्य रेलवे की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, पुनपुन-परसा बाजार डाउन लाइन पर किलोमीटर संख्या 11/38-32 के बीच स्थित पुल संख्या-21 पर पानी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते इंजीनियरिंग विभाग ने चार सितंबर की रात करीब 10 बजे से इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। रेलवे ने सोमावर को चलने वाली 10 मेमू ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा की है। इनमें 63242 गया-पटना, 63244 गया-पटना, 63245 पटना-गया, 63247 पटना-गया, 63248 गया-पटना, 63250 गया-पटना, 63251 पटना-गया, 63253 पटना-गया, 63256 गया-पटना और 63274 पटना-राजगीर मेमू शामिल हैं।

रेलवे के अनुसार, 63248 गया-पटना मेमू के रैक का इस्तेमाल मानपुर प्वाइंट पर किया जाएगा।

सेना की कार्रवाई, 20 किलो विस्फोटक बरामद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मणिपुर के जंगलों में भारतीय सेना ने खुफिया सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई की है। यहां भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है। भारतीय सेना की स्पीयर कोर के तहत सुरक्षा बलों ने स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान मणिपुर के लेशाबीथोल और अहमादाबाद के बीच घने जंगलों में छिपाकर रखे गए तीन आईईडी बरामद किए गए।

सेना के मुताबिक, इन तीनों आईईडी का कुल वजन करीब 20 किलोग्राम है। जंगल के बीच विस्फोटकों की यह मौजूदगी सामने आने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को सुरक्षित कर लिया। इसके बाद नियंत्रित कार्रवाई के तहत मौके पर ही तीनों आईईडी को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई से संभावित बड़ी वारदात को समय रहते टाल दिया गया। घने जंगल में छिपाकर रखे गए इन विस्फोटकों से आम लोगों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता था।

दरअसल सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई मणिपुर के संवेदनशील इलाकों में लगातार बरती जा रही सतर्कता को भी रेखांकित करती है।

सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही हैं। ऐसे में करीब 20 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री का जंगल से बरामद होना सुरक्षा बलों के लिए एक अहम सफलता है।

तमिलनाडु के गुडलूर में बाघ को पकड़ने के लिए अभियान शुरू

विश्व केसरी■

गुडलूर। तमिलनाडु वन विभाग ने एक बाघ को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया है, जो लगातार रिहायशी और खेती वाले इलाकों में घुस रहा है। यह बाघ नीलगिरी जिले के गुडलूर वन रेंज में नंबलाकोट्टई के पास विमलागिरी इलाके में देखा जा रहा है।

बाघ की निगरानी के लिए दो पिंजरे रणनीतिक जगहों पर लगाए गए हैं जबकि उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 25 कैमरा ट्रैप भी लगाए गए हैं। बाघ और स्थानीय लोगों के बीच टकराव को रोकने के लिए अतिरिक्त वनकर्मियों को भी तैनात किया गया है। अधिकारियों ने साफ किया है कि विमलागिरी में घूम रहा यह बाघ वह संदिग्ध आदमखोर नहीं है, जिस पर ओ-वैली वन रेंज के लॉरिस्टन में दो लोगों की मौत का शक है। मुख्य वन्यजीव वार्डन राकेश कुमार डोगरा ने दोनों जानवरों को पकड़ने की अलग-अलग अनुमति दी है। बताया जा रहा है कि विमलागिरी का बाघ दिन के समय भी आबादी वाले इलाकों में घुस रहा है। इसने मक्कामूला, अंबालाकाडु और विमलागिरी में मवेशियों को मार डाला है, जिससे स्थानीय लोगों में काफी दहशत है। बाघ को एक प्राइमरी स्कूल के पास भी देखे जाने की खबर है। स्थानीय लोगों ने पिछले एक हफ्ते में बस्तियों में आए बाघ की तस्वीरें शेयर की हैं और तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

वन अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी है कि वे मवेशियों को चरने के लिए अकेला न छोड़ें। उन्हें कहा गया है कि जानवरों को सुरक्षित शेड के अंदर रखें, खासकर उस समय जब बाघ के इलाके में घूमने की आशंका हो। गुडलूर के मंडल वन अधिकारी पी. देवराज ने कहा कि विभाग ने बिना देरी किए पकड़ने का अभियान शुरू करने का फैसला किया।

गुजरात पुलिस की ड्रग नेटवर्क के खिलाफ मुहिम, हर जिले और शहर में 'एंटी-नारकोटिक्स विंग' करेगी काम

विश्व केसरी■

गांधीनगर। गुजरात की समुद्री सीमा देश में सबसे लंबी है। राज्य को पूरी तरह से 'नशा-मुक्त' बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में गुजरात पुलिस ने ड्रग नेटवर्क के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। पुलिस ने गुजरात और दूसरे राज्यों के युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए काम किया है। इसी कोशिश के तहत अब गुजरात के हर जिले और शहर में खास 'एंटी-नारकोटिक्स विंग' (एएनडब्ल्यू) काम करना शुरू करेंगे।

गुजरात पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ड्रग नेटवर्क के खिलाफ लड़ाई को मजबूत और अधिक असरदार बनाने के लिए राज्य पुलिस प्रमुख ज्ञानेंद्र सिंह मलिक ने राज्य-स्तरीय एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की तर्ज पर अब हर जिले और कमिश्नरेट लेवल पर एएनडब्ल्यू यूनिट्स बनाई जाएंगी। इन सभी यूनिट्स को अगले 7 दिनों के अंदर काम शुरू करने का आदेश दिया गया है।

अभी, हर शहर और जिले में एलसीबी, एसओजी और लोकल पुलिस की टीमें नशीले पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज कर रही हैं। इसके अलावा, अब खास एएनडब्ल्यू यूनिट्स भी यह काम करेंगी। पिछले पांच सालों में गुजरात पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 3,700 से ज़्यादा मामले दर्ज किए हैं और 5,346 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान, लगभग 13,600 करोड़ रुपये कीमत के 1.36 लाख किलोग्राम से ज्यादा नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय ड्रग-स्मगलिंग नेटवर्क कमजोर हुए हैं। हर एएनडब्ल्यू यूनिट में 8 काबिल अधिकारी और कर्मचारी होंगे, जिनमें 1 पुलिस इंस्पेक्टर, 1 पुलिस सब-इंस्पेक्टर, 2 एएसआई या हेड कॉन्स्टेबल और 4 पुलिस कॉन्स्टेबल शामिल होंगे। इस टीम के लिए एक अलग गाड़ी और ड्राइवर दिया जाएगा।

जिला स्तर पर यह यूनिट पुलिस सुपरिटेंडेंट (एसपी) की सीधी देखरेख में काम करेगी। अहमदाबाद शहर में 2 यूनिट, सूरत शहर में 2 यूनिट, वडोदरा शहर में 1 यूनिट और राजकोट शहर में 1 यूनिट जॉइंट या एडिशनल सीपी की देखरेख में काम करेंगी। एएनडब्ल्यू एक 'स्पेशलाइज्ड टास्क फोर्स' के तौर पर काम करेगी और सिर्फ एनडीपीएस से जुड़े अपराधों पर ध्यान देगी। इस टीम को कोई और काम नहीं सौंपा जाएगा। एएनडब्ल्यू एएनटीएफ द्वारा पहचाने गए ड्रग पेडलर्स और हॉटस्पॉट्स पर लगातार नजर रखेगी और ड्रग्स के आदी अपराधियों के खिलाफ पीआईटी-एनडीपीएस के तहत एहतियाती कार्रवाई के लिए सीआईडी क्राइम को प्रस्ताव भेजेगी।

पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप के दूत कीव पहुंचे, जेलेंस्की से करेंगे अहम वार्ता

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से वार्ता के लिए कीव पहुंचे। इससे पहले दोनों ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ लगभग तीन घंटे तक बैठक की, लेकिन इस बैठक से किसी बड़ी प्रगति या समझौते की घोषणा नहीं हुई।

ट्रंप के शांति वार्ताकारों के रूप में यह दोनों दूतों की यूक्रेन की पहली आधिकारिक यात्रा है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच चार वर्ष से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों को फिर से गति देने की कोशिश कर रहा है।

कीव पहुंचने पर यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने दोनों अमेरिकी दूतों का स्वागत किया। वार्ता में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिनिधियों के भी शामिल होने की संभावना जताई गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि यूरोप भी

किसी संभावित शांति समझौते में अपनी भूमिका चाहता है।

विटकॉफ और कुशनर शनिवार को क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात करने के बाद यूक्रेन पहुंचे। क्रेमलिन ने बातचीत की पुष्टि तो की, लेकिन चर्चा के विषय और नतीजों के बारे में अधिक जानकारी साझा नहीं की। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, बैठक में यूक्रेन युद्ध और आगे की संभावित प्रक्रिया पर चर्चा हुई, हालांकि मास्को बैठक के बाद किसी समझौते या अगली वार्ता की समय-सीमा की घोषणा नहीं की गई।

शनिवार को पुतिन पक्ष के साथ बातचीत शुरू होने के दौरान जेलेंस्की ने विटकॉफ और कुशनर से फोन पर भी बात की। उनके कार्यालय के अनुसार, यूक्रेन वार्ता प्रक्रिया में शामिल शहरों पर हवाई हमलों को अस्थायी रूप से रोकने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति ट्रंप लगातार मास्को और कीव पर किसी समझौते तक पहुंचने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन दोनों पक्ष अभी क्षेत्रीय विवाद, सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति की शर्तों जैसे मुद्दों पर सहमत नहीं हो सके हैं। रूस पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों को लेकर यूक्रेन से रियायतें चाहता है। दूसरी ओर कीव ने साफ कर दिया है कि उसकी सहमति के बिना कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यूक्रेन का कहना है कि भविष्य में किसी नए रूसी हमले को रोकने के लिए उसे ठोस सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता है।

कीव में होने वाली वार्ता में पुतिन के साथ हुई बैठक के परिणाम, बातचीत को लेकर यूक्रेन की शर्तें और व्यापक युद्धविराम की दिशा में संभावित कदमों पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह नया कूटनीतिक प्रयास अमेरिका की कई महीनों से जारी कोशिशों के बाद सामने आया है।

एशिया-प्रशांत मीडिया उच्च-स्तरीय मंच ने शेन्चन सहमति जारी की

विश्व केसरी■

बीजिंग। एशिया-प्रशांत मीडिया उच्च-स्तरीय मंच का उद्घाटन 5 सितंबर को क्वांगतोंग प्रांत के शेन्चेन में हुआ। उद्घाटन समारोह में 'एशिया-प्रशांत मीडिया उच्च-स्तरीय मंच की शेन्चेन सहमति' जारी की गई।

इस सहमति में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सर्वोच्च स्तर का, सबसे व्यापक और सबसे प्रभावशाली आर्थिक सहयोग तंत्र है। अपनी स्थापना के बाद से 30 से अधिक वर्षों में, एपेक ने एशिया-प्रशांत मुक्त व्यापार क्षेत्र की रूपरेखा तैयार करने से लेकर एशिया-प्रशांत समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देने तक, एशिया-प्रशांत क्षेत्र को वैश्विक खुले विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिससे एशिया-प्रशांत वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे गतिशील क्षेत्र बन गया है। हम संवाद और आदान-प्रदान को गहरा करने, व्यावहारिक सहयोग करने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि और विकास में अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए खुलापन, नवाचार और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हम खुलेपन पर आम सहमति को बढ़ावा देने, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करने, एशिया-प्रशांत मुक्त व्यापार क्षेत्र के निर्माण, क्षेत्रीय संपर्क और औद्योगिक एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता से संबंधित अवधारणाओं और प्रथाओं की रिपोर्टिंग और व्याख्या करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम नीतिगत सामंजस्य और अनुभव साझाकरण को बढ़ावा देंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई सकारात्मक उपलब्धियों को व्यापक रूप से प्रदर्शित करेंगे।

पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास और जिहादी इकोसिस्टम का नतीजा है टीटीपी: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) एक पाकिस्तानी उग्रवादी संगठन है जो पाकिस्तानी इलाके, राजनीतिक इतिहास और उसके अपने जिहादी इकोसिस्टम का नतीजा है। एक रिपोर्ट दावा करती है कि अपनी नाकामी को छुपाने के लिए पाकिस्तान पिछले पांच साल से टीटीपी के उभार को अफगान समस्या बताता रहा है। वो तालिबान पर टीटीपी लड़ाकों को पनाह देने और उन्हें पाकिस्तान में हमले करने के लिए उकसाने के साथ ही अपने इलाके का इस्तेमाल करने की छूट देने का आरोप लगाता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान के आरोप में कुछ सच्चाई है, क्योंकि पाकिस्तानी सैन्य अभियानों के दौरान टीटीपी कमांडर और लड़ाके अफगानिस्तान में घुस गए थे, और तालिबान के सत्ता में लौटने से टीटीपी को फायदा हुआ क्योंकि सैकड़ों कैदियों को रिहा कर दिया गया और अलग-अलग गुट फिर से एक हो गए; यह जानकारी 'स्ट्रिंगर एशिया' की एक रिपोर्ट में दी गई है।

'स्ट्रिंगर एशिया' की रिपोर्ट में विस्तार से बताया, 'संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में बार-बार अफगान इलाके में टीटीपी की बड़ी मौजूदगी का जिक्र किया गया है। लेकिन पनाह देना मूल स्थान नहीं है, और मदद करना मालिकाना हक नहीं है। टीटीपी कोई अफगान संगठन नहीं है जो विदेश से पाकिस्तान पर हमला कर रहा हो। यह एक पाकिस्तानी मूवमेंट है, जो पाकिस्तानी इलाके, पाकिस्तानी राजनीतिक इतिहास और पाकिस्तान के अपने जिहादी इकोसिस्टम से जुड़ा है। हो सकता है कि अफगानिस्तान आज टीटीपी को रणनीतिक बढ़त दे रहा हो, ठीक वैसे ही जैसे पाकिस्तान ने दो दशकों तक अफगान तालिबान को रणनीतिक बढ़त दी थी, लेकिन यह मुख्य रूप से पाकिस्तानी ही है।

ईरान के आईआरजीसी की चेतावनी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से तीन जहाज लौटे

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की चेतावनी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे तीन जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और वापस लौट गए। इनमें दो तेल टैंकर और एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाहक शामिल है।

ईरान की अर्द्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने समुद्री ट्रैकिंग डेटा के हवाले से बताया कि लौटने वाले जहाजों में मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला तेल टैंकर वेलोस एंबर, लाइबेरिया के झंडे वाला तेल टैंकर ब्रावो और कतर का मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला एलएनजी टैंकर अल शीहानिया शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने इन जहाजों को चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट का दक्षिणी मार्ग बंद है, जिसके बाद तीनों जहाजों ने अपना मार्ग बदल दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब

ईरान और अमेरिका के बीच समुद्री तनाव लगातार बढ़ रहा है।

इससे पहले रविवार को आईआरजीसी ने दावा किया कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी नौसेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक जहाज पर कई बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। आईआरजीसी का आरोप है कि अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और देश के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी में शामिल थे।

आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक बयान में दावा किया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत क्षति पहुंचने के बाद संघर्ष क्षेत्र से हट गए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि अमेरिका की 'शत्रुतापूर्ण और आक्रामक' कार्रवाई जारी रही तो उसे ईरानी सशस्त्र बलों की 'कड़ी प्रतिक्रिया' का सामना करना पड़ेगा।

शनिवार रात आईआरजीसी नौसेना ने यह भी कहा था कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में तीन तेल टैंकरों और अन्य क्षेत्रों में अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अमेरिकी बलों ने ईरान के तीन कच्चे तेल ले जा रहे जहाजों पर हमला किया। अमेरिका का दावा है कि यह कार्रवाई आईआरजीसी द्वारा क्षेत्र में गश्त कर रहे अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोतों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के बाद की गई।

गुजरातः जुए के अड्डे पर छापेमारी में 42 लोग गिरफ्तार, 16 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

विश्व केसरी■

जूनागढ़। पुलिस ने रविवार को बताया कि जूनागढ़ जिले के चोरवाड़ में चोरवाड़ गर्ल्स स्कूल के पास 'सुथार समाज वाड़ी' में चल रहे कथित जुए के अड्डे पर गुजरात पुलिस के स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने छापेमारी की। इस दौरान 42 लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुल 16.02 लाख रुपए मूल्य की नकदी व अन्य सामान जब्त किया गया।

यह छापेमारी पुलिस सब-इंस्पेक्टर केडी रविया की अगुवाई वाली टीम ने की थी। यह कार्रवाई राज्य में अवैध शराब और जुए की गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) जीएस मलिक के निर्देशों के बाद की गई थी।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल के अनुसार, इस कार्रवाई में 3,72,200 रुपए नकद, एक चार-पहिया वाहन, 11 दो-पहिया वाहन, 42 मोबाइल फोन और जुए से जुड़ी सामग्री जब्त की गई। जब्त की गई संपत्ति की कुल कीमत 16,02,900 रुपए आंकी गई। 5 सितंबर को चोरवाड़ पुलिस स्टेशन में जुआ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में 44 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें 42 गिरफ्तार आरोपी और दो वांछित आरोपी शामिल हैं।

गिरफ्तार लोगों में मनीष परमार और हरेश चुडासमा भी शामिल हैं। पुलिस ने इन दोनों को जुए की गतिविधि का कथित आयोजक बताया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में चोरवाड़ और जूनागढ़ जिले के दूसरे हिस्सों के रहने वाले लोग शामिल थे, साथ ही गिर सोमनाथ, मोरबी, कच्छ और राजकोट के लोग भी थे।

वॉन्टेड आरोपियों की पहचान चोरवाड़ के रामवाव चौक के रहने वाले विरेन सेवरा और चोरवाड़ के ही लाला के तौर पर हुई है। पुलिस ने लाला की पहचान उस व्यक्ति के तौर पर की है जिसने कथित तौर पर जुए के लिए सुथारवाड़ी किराए पर दी थी।

सचिन पायलट को पंजाब प्रभारी बनाने पर भाजपा का तंज, बोली-कांग्रेस खेल रही म्यूजिकल चेयर का खेल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जगह सचिन पायलट को पंजाब का नया प्रभारी नियुक्त किया है। बघेल को असम के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का महासचिव प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस पर भाजपा ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी म्यूजिकल चेयर का खेल बहुत अच्छी तरह से खेलना जानती है।

आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस 'म्यूजिकल चेयर' का खेल बहुत अच्छी तरह जानती है। नेताओं को बदलने, उनकी सीटें बदलने या जगह बदलने से कुछ हासिल नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी को अपनी नीतियों और इरादों को बदलने की जरूरत है। उन चार राज्यों की हालत देखिए जहां लोगों ने कांग्रेस को मौका दिया था।

कांग्रेस शासित राज्यों की हालत का जिक्र करते हुए गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार। कर्नाटक, तेलंगाना, केरल या हिमाचल प्रदेश को देखिए। हिमाचल में सरकार को चार साल हो गए हैं और 1 लाख सरकारी नौकरियों का वादा अभी सिर्फ कागजों पर ही है। जनता उन पर कैसे भरोसा कर सकती है।

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इससे साफ पता चलता है कि या तो कांग्रेस के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है या असल में कुछ भी ठीक नहीं है, क्योंकि जब तक वह 'एक परिवार की राजनीति' जारी रखेगी, पार्टी का भविष्य अंधकारमय है। इसीलिए कांग्रेस हर चुनाव हारती जा रही है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस के इस कदम की तुलना अंग्रेजों की नीति से की।

मीडिया से बात करते हुए सीएम साय ने कहा कि जैसे अंग्रेज 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाते थे, वैसे ही ये भी वही नीति अपनाते हैं। वे जहां भी जाते हैं, गुटबाजी करते हैं। भूपेश बघेल पंजाब के प्रभारी थे।

चित्रकूट में सीएम योगी ने बाढ़ पीड़ितों के घावों पर लगाया मरहम, बांटी राहत सामग्री, ढहे मकानों के लिए दिए चेक

विश्व केसरी■

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर धर्मनगरी चित्रकूट पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और जमीनी निरीक्षण किया।

सीएम योगी ने मंदाकिनी नदी की बाढ़ से प्रभावित हुए सैकड़ों परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द जाना और उन्हें राशन किट व राहत सामग्री वितरित की। आपदा की इस घड़ी में त्वरित सहायता पहुंचाते हुए मुख्यमंत्री ने उन तीन बाढ़ पीड़ितों में से प्रत्येक को 1 लाख 20 हजार रुपए के चेक सौंपे, जिनके आशियाने बाढ़ की भेंट चढ़ गए थे। वहीं, कुछ लाभार्थियों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र भी दिए। प्रशासन अभी सर्वे करा रहा है, शीघ्र ही अन्य प्रभावितों को भी ऐसी ही मदद दी जाएगी। राहत सामग्री वितरण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी मजबूती के साथ बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार द्वारा हर वर्ग के सभी प्रभावित लोगों को बिना किसी भेदभाव के हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राहत कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाढ़ प्रभावित लोगों का दर्द व राहत कार्य की ताजा स्थिति जानने आए सीएम योगी ने चित्रकूट के रामायण मेला में आयोजित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में मंच से जहां पूर्ण रूप से मकान छतिग्रस्त हो जाने पर मुकेश, लल्लू और चुन्नीलाल में प्रत्येक को 1 लाख 20 हजार रुपए के चेक प्रदान किए तो वही राम सूरज और सूरज कली को भूमि आवंटन प्रमाणपत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री के हाथों तुरंत मदद पाकर बाढ़ पीड़ित खुश नजर आए। राहत सामग्री और पक्के मकान का आश्वासन पाकर लोगों ने मुख्यमंत्री का दिल से आभार जताया।

सीतापुर मलकाना इलाके की रहने वाली रानी व मंजू ने बताया कि बाढ़ में हमारा पूरा घर डूब गया था और गृहस्थी का सारा सामान बर्बाद हो गया था। सुख्यमंत्री ने खुद आकर हमें राशन किट दी है जिससे हमें बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने हमें नया घर बनवाने का भरोसा भी दिया है। कटरा गूजर गांव की रहने वाली आशा ने बताया कि बाढ़ में हमारा मकान डूब गया था।

जब हार्ट ने दे दिया जवाब और प्रत्यारोपण ही बची आखिरी उम्मीद, तब गुजरात के मंत्री बने सहारा

विश्व केसरी■

सूरत। सूरत के 37 वर्षीय निवासी किशन पेठाणी को अहमदाबाद के यूएन मेहता हार्ट हॉस्पिटल में निःशुल्क हृदय प्रत्यारोपण (हार्ट ट्रांसप्लांट) के बाद नया जीवन मिला है। यह संभव गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया और अस्पताल की ट्रांसप्लांट टीम के प्रयासों से हो सका।

मूलरूप से अमरेली के रहने वाले और वर्तमान में सूरत में रह रहे किशन पिछले करीब दो वर्षों से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थे। मुंबई, अहमदाबाद और सूरत में इलाज कराने तथा सूरत के एक निजी अस्पताल में दो स्टेंट डलवाने के बावजूद उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई।

आखिरकार डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी जान बचाने के लिए हार्ट ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचा है। हालांकि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण यह उपचार उनके लिए बेहद कठिन था।

इसके बाद किशन ने अपनी बीमारी और आर्थिक परेशानी की जानकारी स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया को दी। मंत्री ने उनका मामला यूएन मेहता अस्पताल को भेजने की सिफारिश की।

किशन ने बताया, 'समय के साथ मेरा हृदय गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था और हार्ट ट्रांसप्लांट के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। जब मैंने अपनी बीमारी और आर्थिक स्थिति के बारे में मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया को बताया तो उन्होंने मुझे यूएन मेहता अस्पताल की सिफारिश की। उनके प्रयासों से 27 जून को सफलतापूर्वक मेरा हृदय प्रत्यारोपण हुआ और आज मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं।'

संपादकीय

पानी बहे, विवाद नहीं सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

डॉ. सत्यवान सौरभ

अंतरराज्यीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है - एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से।

अंतरराज्यीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज़ हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है।

विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष विरल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं।

प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न

हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित 'निष्पक्षता' की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है।

संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है।

पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है।

अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए।

सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (MAF) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट (MAF) जल आवंटन प्राप्त हुआ है।

आखिर क्या है मनुस्मृति में : तटस्थ विमर्श

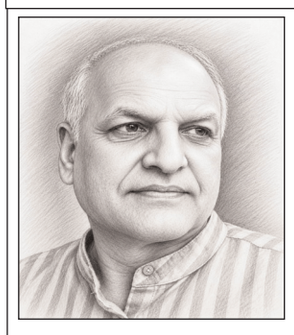

गिरीश पंकज

मनुस्मृति इस समय चर्चा का विषय है । मैंने जब इसका अध्ययन करना शुरू किया, तो कुछ बातें स्पष्ट हुई । दरअसल इसका विरोध सामाजिक, राजनीतिक और अकादमिक मंचों पर मुख्य रूप से आधुनिक संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के टकराव के कारण होता है। आखिर क्या हैं इसके प्रमुख कारण इसको समझना ज़रूरी है । हमारा आज का संविधान हर नागरिक को समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय का अधिकार देता है (अनुच्छेद 14, 15, 17, 21)। आलोचकों का मानना है कि मनुस्मृति की वर्ण-व्यवस्था और दंड-विधान इन संवैधानिक मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। सामाजिक आंदोलनों में मनुस्मृति को केवल एक प्राचीन ग्रंथ नहीं, बल्कि जातिगत उत्पीड़न, असमानता और सामंती मानसिकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कुछ विश्वविद्यालयों में जब भी विधि, दर्शन या संस्कृत के पाठ्यक्रमों में मनुस्मृति को शामिल करने या संदर्भ ग्रंथ के रूप में पढ़ाने का प्रस्ताव आता है, तो छात्र संगठन और शिक्षक इसका कड़ा विरोध करते हैं। विरोधियों का तर्क है कि आधुनिक शिक्षा में ऐसे ग्रंथ को शामिल करना लैंगिक और सामाजिक रूप से प्रतिगामी विचारों को बढ़ावा देना है।

25 दिसंबर 1927 को महाड़ सत्याग्रह के दौरान डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक असमानता और छुआछूत के विरोध में मनुस्मृति की प्रतियां जलाई थीं। आज भी कई सामाजिक और दलित संगठन 25 दिसंबर को 'मनुस्मृति दहन दिवस' के रूप में मनाते हैं, वंचित समुदाय इसे अपने ऐतिहासिक शोषण और अधिकारों से वंचित किए जाने के दस्तावेज के रूप में देखते हैं।

महिला अधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि इसमें महिलाओं की स्वायत्तता, शिक्षा और संपत्ति के अधिकारों को सीमित करने वाले श्लोक पितृसत्तात्मक सोच को मजबूत करते हैं, जो आज के महिला सशक्तिकरण के दौर में अस्वीकार्य हैं। चुनावों और सार्वजनिक बहसों में यह विषय राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाता है, जहाँ एक पक्ष इसे 'प्राचीन भारतीय परंपरा व विधि का इतिहास' मानकर अध्ययन की बात करता है, वहीं दूसरा पक्ष इसे 'संविधान विरोधी और पिछड़ेपन की ओर ले जाने वाला कदम' बताकर विरोध करता है।

मनु स्मृति में धर्म के लक्षण

मनुस्मृति में मानव धर्म के दस सार्वभौमिक नैतिक नियम बताए गए हैं, जो किसी भी जाति या वर्ग से परे हर मनुष्य पर लागू होते हैं, जैसे 'धृति' यानी कठिन समय में धैर्य बनाए रखना।'क्षमा' अर्थात् दूसरों की गलतियों को माफ करने का गुण। 'दम' मतलब मन और वासनाओं पर नियंत्रण रखना। 'अस्तेय' अर्थात् चोरी न करना और दूसरे के धन का लोभ न करना। 'शौच' का अर्थ बाह्य और आंतरिक पवित्रता रखना। 'इन्द्रिय-निग्रह' भी, जिसका अर्थ है ज्ञानेंद्रियों और कर्मेंद्रियों को वश में रखना। 'धी' अर्थात विवेक और बुद्धि का सही उपयोग करना। 'विद्या' मतलब आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान प्राप्त करना। 'सत्य' आचरण और वाणी में सदा सत्य का पालन करना। 'अक्रोध' का अर्थ क्रोध से बचना और शांति बनाए रखना। 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।' हमेशा ऐसा सच बोलें जो प्रिय और हितकारी हो; कटु सत्य या चापलूसी भरा झूठ बोलने से बचें। 'आचार: परमो धर्म:' केवल शास्त्रों को जान लेना पर्याप्त नहीं है, व्यक्ति का चरित्र और सदाचरण ही उसका सबसे बड़ा धर्म है।

मनु स्मृति में स्त्री सम्मान को महत्व दिया गया है, चर्चित श्लोक है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।' जिस कुल या परिवार में स्त्रियों का आदर और सम्मान होता है, वहीं सुख और समृद्धि का वास होता है। माता को पिता से भी सौ गुना अधिक पूजनीय माना गया है तथा गुरु और माता-पिता की सेवा को जीवन का सबसे बड़ा तप बताया गया है। पर्यावरण और लोक स्वच्छता को भी महत्व मिला है।सार्वजनिक मार्गों, नदी तटों, बाग-बगीचों और बहते जल में कचरा फेंकना, थूकना या गंदगी फैलाना निषेध बताया गया है। बिना कारण वृक्ष काटने या प्रकृति को नुकसान पहुँचाने को अनुचित माना गया है। मनुस्मृति के अनुसार मनुष्य का पतन या उत्थान केवल उसके व्यक्तिगत कर्मों और आचरण पर निर्भर करता है। किसी भी अपराध या पाप का फल व्यक्ति को स्वयं ही भोगना पड़ता है, चाहे वह कितना भी समर्थ क्यों न हो।

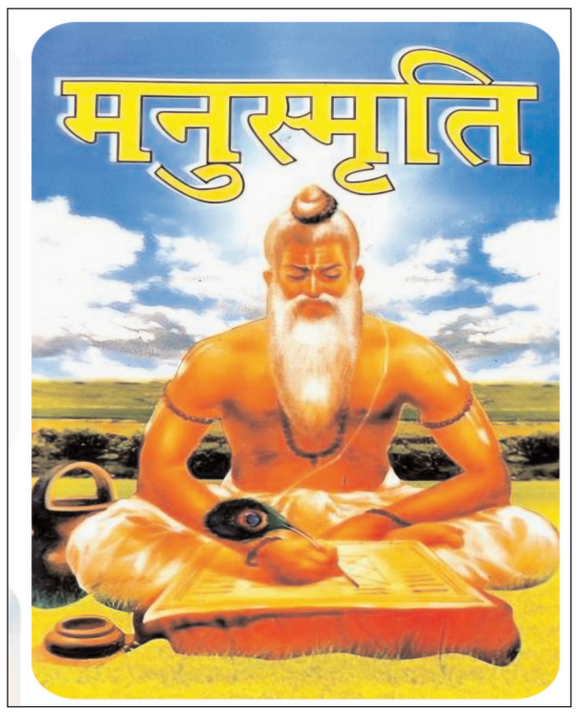

कुछ विसंगतियाँ भी...

समाज को जन्म के आधार पर कठोर चार वर्णों में बाँटना और व्यक्ति के अधिकार, कर्तव्य व सामाजिक स्थिति को जन्म से तय करना आधुनिक समानता के सिद्धांत के विपरीत है। आज इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता । समाज के निचले तबकों, विशेषकर शूद्रों और अंत्यजों को वेद अध्ययन, शिक्षा और धार्मिक संस्कारों से वंचित रखने के नियम आज के सर्वशिक्षा और समान अवसर के अधिकार के विरुद्ध हैं। संसाधनों और संपत्ति का अधिकार सीमित किया गया है. कुछ वर्णों के लिए संपत्ति संचय और स्वतंत्र व्यवसाय चुनने पर प्रतिबंध लगाना आधुनिक लोकतांत्रिक व आर्थिक न्याय के सिद्धांतों से मेल नहीं खाता। समान अपराध पर भिन्न दंड: मनुस्मृति के अनुसार एक ही अपराध के लिए उच्च वर्ण को कम या प्रतीकात्मक दंड और निचले वर्ण को अत्यंत कठोर व अमानवीय शारीरिक दंड देने की व्यवस्था थी। आधुनिक न्यायशास्त्र 'कानून के समक्ष सब समान हैं' पर आधारित है, जबकि यह वर्ण-आधारित दंड व्यवस्था पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण और अप्रासंगिक है।

मनुस्मृति की इस बात पर आज के परिवेश में आपत्ति स्वाभाविक है। इसमें स्त्रियों के लिए पराधीनता का नियम बताया गया है कि 'पिता रक्षति कौमारे, भर्ता रक्षति यौवने। रक्षन्ति स्थविरे पुत्रा, न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति॥' (9.3) अर्थात् स्त्री को बाल्यावस्था में पिता, युवावस्था में पति और वृद्धावस्था में पुत्र के अधीन रखने तथा उसे स्वतंत्र न रहने देने का विचार आधुनिक महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के पूरी तरह खिलाफ है। धार्मिक और आर्थिक अधिकारों की कमी भी है । स्त्रियों को स्वतंत्र रूप से यज्ञ, अनुष्ठान या संपत्ति के स्वामित्व से वंचित रखना आज के संवैधानिक अधिकारों के अनुकूल नहीं है। यह भी अब अव्यावहारिक है। विशिष्ट जातियों और वर्गों को अछूत मानना, उन्हें गाँव/नगर से बाहर बसाना और उनके स्पर्श या छाया मात्र से भी अपवित्र होने के नियम आधुनिक मानवीय गरिमा और मानवाधिकारों के विरुद्ध हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता पूरी तरह से गैर-कानूनी है। अपराधों के लिए अंग-भंग जैसे जीभ काटना, हाथ काटना, गर्म तेल डालना आदि तो क्रूर दंडों का विधान था । यह आज के मानवाधिकार कानूनों और सुधारात्मक न्याय व्यवस्था के सर्वथा विपरीत है। उस दौर में भी आपत्तिजनक रहा होगा।

बहरहाल,सदियों पहले लिखी गई मनुस्मृति की अनेक बातें वर्तमान समय में भले ही अनुपयोगी हो गई हों,मगर जो बातें समाज हित में ग्राह्य हैं,उन्हें तो स्वीकार करके समाज को अपना परिष्कार करना ही चाहिए। हमारे यहां कहा ही गया है 'सार-सार को गही रहे, थोथा देय उड़ाय '। जो असंगत बातें हैं, उन्हें भूलें और जो उपयोगी बातें हैं, उन्हें आत्मसात करें । यही व्यावहारिकता है ।

सरकारी अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया आचार संहिता

डॉ. प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के संवाद करने, सूचना प्राप्त करने और खुद को दुनिया के सामने पेश करने के तरीके को बदल दिया है। जी हां, सरकारी अधिकारी भी इससे अछूते नहीं हैं। सोशल मीडिया, चाहे वह रील्स हों, छोटे वीडियो हों, व्यक्तिगत पोस्ट हों, कहानियां हों या विचार हों, सरकारी कर्मचारियों की दिनचर्या का अभिन्न अंग बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म सरकार और नागरिकों के बीच बेहतर संचार की अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं, लेकिन सरकारी अधिकारियों द्वारा इनका अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग प्रशासनिक अनुशासन, निष्पक्षता, जनविश्वास और सार्वजनिक गरिमा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है।

सरकारी अधिकारियों के लिए प्रस्तावित सोशल मीडिया आचार संहिता का मसौदा सही समय पर आया है। सवाल यह नहीं है कि 'क्या अधिकारियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए?' उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों के बीच प्रचलित आचरण के नियम उस युग में लिखे गए थे जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था। जाहिर है, इन नियमों को बनाने वालों ने इनकी कल्पना नहीं की होगी, क्योंकि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के विकास की कल्पना नहीं कर सकते थे जो किसी एक व्यक्ति को पल भर में एक वीडियो प्रकाशित करने की अनुमति देता है, जिसे लाखों लोग देख सकते हैं और लाखों लोगों की राय का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। लोक सेवकों का कार्य सार्वजनिक कार्यों पर काम करना, सार्वजनिक व्यवसायियों की सेवा करना, सार्वजनिक नीतियों को लागू करना और प्रशासनिक दक्षता का प्रबंधन करना है। यदि किसी कर्मचारी का कार्य समय मनोरंजन से संबंधित सामग्री देखने, बनाने या साझा करने में व्यतीत होता है, तो इससे उत्पादकता और अंततः सार्वजनिक सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार को सोशल मीडिया को अपने कर्तव्यों के निर्वाह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए।

यह मान लेना भी गलत होगा कि अधिकारियों की सोशल मीडिया पर की जाने वाली सभी गतिविधियाँ अवांछनीय हैं। सोशल मीडिया अब शासन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। जिला प्रशासक, पुलिस अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी जैसे सार्वजनिक अधिकारी सरकारी कार्यक्रमों, आपातकालीन सूचनाओं, जन जागरूकता पहलों और नागरिक सेवाओं के बारे में उपयोगकर्ताओं से जुड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। आपदाओं, महामारियों और अन्य आपात स्थितियों के समय प्रशासन और नागरिकों के बीच त्वरित और प्रत्यक्ष संचार में सोशल मीडिया सहायक हो सकता है।

प्रस्तावित संहिता को जिम्मेदार आधिकारिक पत्राचार और वैध उपयोग और दुरुपयोग (जहां यह सार्वजनिक क्षेत्र की गरिमा या निष्पक्षता को कम नहीं करता है) के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत प्रचार भी एक चिंता का विषय है। सरकारी अधिकारी कभी-कभी ऐसी जानकारी प्रकाशित करते हैं जो सरकारी गतिविधियों, जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, प्रशासनिक गतिविधियों या सरकारी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को दर्शाती है। नागरिकों को सरकारी कार्यों के बारे में शिक्षित करने और सरकार के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं का प्रचार करने के बीच का अंतर स्पष्ट है। लोक प्रशासन व्यक्तिगत ब्रांड बनाने की गतिविधि नहीं है।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हांकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, 'हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।'

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, 'तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ 'कर्तव्य' है।' यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

कविता

शिक्षक

सुप्रिया शर्मा

एक संवाद है नयी
चेतना का
नाम है शिक्षक
प्यार है, दुलार है,
फटकार है।
शिक्षक.

विनम्रता,शालीनता व समानता
का व्यवहार है शिक्षक
वह डाली है जो झुके सदा,
जहां विद्यार्थी हित साकार है
शिक्षक.

सामाजिक दर्पण में तराशता
स्वयं को, विद्यार्थी की बनता
पहचान है शिक्षक.

साधारण सा असाधारण
प्राणी है शिक्षक
सदा एक विद्यार्थी,
जो निरंतर पढ़ता।
गढ़ता है नए स्वप्न ,
जो बनते भविष्य का
आधार हैं शिक्षक.
सच कह तो समाज का
श्रृंगार है शिक्षक.

शिक्षिका, रायपुर , छत्तीसगढ़

व्यंग्य केसरी

उंगली कटी है कोई नाक नहीं

सुनील पाण्डेय

जैसे भारतीय रेल कभी-कभी पटरी से उतर जाती है, वैसे ही पंडित जी के घर का भारी-भरकम लोहे का स्लाइडिंग गेट भी पटरी से उतर गया। उसे पटरी पर लाने हड़बड़ी में कोशिश की, ताकि दरवाजे पर यातायात सामान्य हो सके। मगर अगले ही पल पंडित जी के दाहिने हाथ की सबसे बड़ी उंगली उसकी चपेट में आकर आधी से ज्यादा कट गई।

पंडित जी ने सोचा कि हाथ नल के नीचे धो लें, पर तुरंत डर लगा कि कहीं पानी के प्रेशर से कटी हुई उंगली वाशबेसिन के रास्ते सीधे गटर की यात्रा पर न निकल जाए। इस संकट काल में उंगली पर बने सारे मुहावरे-कहावत एक-एक कर दिमाग में मार्च-पास्ट करने लगे। सबसे पहले याद आया—'उंगली कटाकर शहीदों में नाम लिखाना'। फिर सोचा, आज के जमाने में कटी उंगली जोड़ना कौन सी बड़ी बात है। पहले के समय में तो लोग तलवार से उंगली काटकर रक्त-तिलक कर देते थे और टिटनेस का इंजेक्शन तक नहीं लगवाते थे।अचानक एक अशिष्ट बात कौंधी कि 'आज के जमाने में लोग किसी की कटी उंगली पर पेशाब भी नहीं करते।' बस, इसी डर के मारे उन्होंने सीधे डॉक्टर के पास भागने में ही भलाई समझी।

रक्त प्रवाह रोकने अपनी कटी उंगली ऊपर की तरफ उठाई और अस्पताल पहुंचे। रास्ते भर लोग उनकी उठी उंगली को घूर रहे थे, मानो उन पर उठी हो। उन्हें क्या पता कि जब एक उंगली औरों की तरफ उठती है, तो बाकी चार खुद की तरफ। ?अपना नंबर आने तक पंडितजी के मन में कहावत-मुहावरे चलते रहे। खैर मनाई कि 'सब उंगलियाँ बराबर नहीं होतीं'—इसीलिए 'मिडिल फिंगर' ने बड़ा भाई होने का फर्ज निभाया और आगे बढ़कर बाकी चार को बचा लिया।

डॉक्टर से भेंट हुई। वे उन्हें ऐसे देख रहे थे मानो कह रहे हों— 'कहा था न, हर जगह उंगली नहीं करते!' कुछ ही देर में पंडित जी ऑपरेशन टेबल पर थे। चेहरे पर मास्क लगाए डॉक्टर ने लोकल एनेस्थीसिया दिया और बिना दर्द के टांके लगा दिए। हालांकि, उस माहौल में भी पंडित जी का दिमाग इस सोच था कि डॉक्टर चेहरे पर मास्क क्यों लगाए रहते हैं? इसलिए तो नहीं कि कुछ ऊंच-नीच हो जाए, तो मरीज बाद में पहचान न पाए कि 'मुल्जिम' कौन था उन्हें पुराने जमाने के मरीजों पर तरस आया। जब एनेस्थीसिया नहीं रहा होगा, तब डॉक्टर चिल्लाते मरीज का मुंह दबाकर जख्म को बोरे की तरह सिल देते रहे होंगे। खैर, जब काउंटर पर बिल दिया, तब जाकर पंडित जी को अहसास हुआ कि घटना वाकई 'बड़ी' थी।

टांके लगवाकर जब पंडित जी 'घायल सैनिक' की तरह घर लौटे। मिलने आए एक शुभचिंतक ने कहा— 'इस उम्र में ऐसे अंट-शंट स्टंट नहीं करना चाहिए।' पंडित जी ने भी तपाक से सर्जिकल स्ट्राइक की— 'भाई साहब, उंगली ही कटी है, कोई नाक नहीं!

कुल मिलाकर इस पूरे 'गेट-कांड' से पंडित जी को एहसास हुआ कि आदमी को अपनी उम्र और लोहे के वजन का पूरा लिहाज रखना चाहिए।

रायपुर,मोबा. 94255 11669

इतिहास

7 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और दिवसों से जुड़ा हुआ है

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ1906: बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना आज ही के दिन मुंबई में हुई थी

1931: लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत हुई, जिसमें महात्मा गांधी ने कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया था।

1940: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने लंदन पर लगातार हवाई हमले (द ब्लिट्ज) की शुरुआत की थी।

अमेरिका और पनामा के बीच पनामा नहर का नियंत्रण पनामा को सौंपने से जुड़ी टोरिजोस-कार्टर संधियों पर हस्ताक्षर हुए।

1988: अब्दुल अहद मोहमंद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले अफगान नागरिक बने, जो 9 दिनों तक सोवियत अंतरिक्ष स्टेशन मीर पर रहने के बाद पृथ्वी पर लौटे।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित

विश्व केसरी■

पटना। बिहार में नदियों के बढ़े जलस्तर के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 12 जिलों के 70 प्रखंडों की 368 ग्राम पंचायतों में करीब 22.42 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। गंगा नदी पटना के गांधीघाट, पंडारक, दानापुर और बांका घाट में अपने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) से ऊपर बह रही है। हालांकि, इन सभी स्थानों पर जलस्तर की प्रवृत्ति स्थिर बताई गई है।

केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 6 बजे पटना के गांधीघाट पर गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर दर्ज किया गया, जो 21 अगस्त 2016 के 50.52 मीटर के पिछले एचएफएल से 0.05 मीटर ऊपर है। पंडारक में जलस्तर 43.92 मीटर रहा, जो 16 अगस्त 2021 के 43.73 मीटर के एचएफएल से 0.19 मीटर अधिक है। दानापुर में गंगा का जलस्तर 52.63 मीटर दर्ज किया गया, जो 15 अगस्त 2021 के 52.61 मीटर के पिछले एचएफएल से 0.02 मीटर ऊपर है।

वहीं, बांका घाट में जलस्तर 49.47 मीटर रहा, जो 16 अगस्त 2021 के 49.44 मीटर के एचएफएल से 0.03 मीटर अधिक है। राज्य के कई अन्य स्थानों पर भी नदियां खतरे के

निशान से ऊपर बह रही हैं। गंडक नदी डुमरिया घाट और हाजीपुर में, कोसी बलतारा और कुर्सेला में तथा बूढ़ी गंडक खगड़िया में खतरे के निशान से ऊपर है। इसके अलावा गंगा दीघा, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव, बक्सर और मुंगेर में, पुनपुन श्रीपालपुर में, बागमती बेनीबाद में तथा घाघरा दरौली और गंगपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

उधर, बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए विभिन्न जिलों में 190 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। अब तक करीब 2.51 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा तीन राहत शिविर चलाए जा रहे हैं, जहां 1,631 बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच अब तक करीब 65,700 पॉलीथीन शीट और 12,700 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए गए हैं।

आबादी के निष्क्रमण और आवागमन को सुगम बनाने के लिए 1,429 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। नदियों के जलस्राव पर भी प्रशासन की नजर बनी हुई है। रविवार शाम 5 बजे वाल्मीकिनगर बराज पर गंडक नदी का जलस्राव 1,29,000 क्यूसेक दर्ज किया गया और इसकी प्रवृत्ति स्थिर रही। इस वर्ष 14 जुलाई को यहां अधिकतम 2,24,000 क्यूसेक जलस्राव दर्ज किया गया था। वीरपुर बराज पर कोसी नदी का जलस्राव शाम 5 बजे 2,20,025 क्यूसेक दर्ज किया गया और इसकी प्रवृत्ति बढ़ने की बताई गई है। इस वर्ष 20 जुलाई को यहां अधिकतम 2,55,425 क्यूसेक जलस्राव दर्ज किया गया था।

इंद्रपुरी बराज पर सोन नदी का जलस्राव 1,80,384 क्यूसेक दर्ज किया गया और इसकी प्रवृत्ति स्थिर रही। इस वर्ष 2 सितंबर को यहां अधिकतम 5,63,654 क्यूसेक जलस्राव दर्ज किया गया था। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की 27 और एनडीआरएफ की 10 टीमों को विभिन्न जिलों में प्रतिनियुक्त किया गया है। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की निगरानी लगातार की जा रही है।

तेलंगाना विधानसभा सत्र से पहले, कांग्रेस ने केसीआर के इस्तीफे की मांग की

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने रविवार को इंदिरा पार्क में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के विपक्ष के नेता और विधायक पद से इस्तीफे की मांग को लेकर 'महा धरना' दिया।

मंत्रियों समेत कांग्रेस नेताओं ने केसीआर की आलोचना करते हुए कहा कि वे वेतन और भत्ते तो ले रहे हैं, लेकिन विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जनता के पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं, लेकिन जनता से दूर रह रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर विधानसभा सत्र में एक हजार दिनों से अनुपस्थित रहने, विपक्ष के नेता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा करने और अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता से दूर रहने के कारण विधायक पद से इस्तीफा दें। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर अपने फार्महाउस में रहते हुए और विधानसभा सत्र में शामिल न होते हुए 1.32 करोड़ रुपए वेतन ले रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा और बुलेटप्रूफ वाहनों पर सरकारी खजाने से 21 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डी. श्रीधर बाबू, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सरकारी सलाहकार हनुमंत राव, वरिष्ठ नेता जग्गा रेड्डी और अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र से पहले 'महा धरना' आयोजित किया गया।

परिवहन और बीएससी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जो व्यक्ति जनता के मुद्दों पर ध्यान नहीं देता, उसका विधायक बने रहना उचित नहीं है। उद्योग और आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बीआरएस नेताओं की सड़कों पर भाषण देने और विधानसभा में उपस्थित न होने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर वे विधानसभा में उपस्थित होकर मुद्दे उठाते हैं तो कांग्रेस जवाब देगी। उन्होंने कहा कि 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे केसीआर को विधानसभा में उपस्थित होकर अपने अनुभव साझा करने चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर विपक्षी दलों के दुष्प्रचार अभियान का मुकाबला करने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे पूछा कि क्या केवल कांग्रेस कार्यकर्ता ही आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा योजना का लाभ उठा रहे हैं? श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार गरीबों को प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली भी दे रही है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने 10 वर्षों तक राशन कार्ड जारी नहीं किए, और पूछा कि क्या बीआरएस और भाजपा कार्यकर्ताओं को राशन कार्ड नहीं मिले हैं और क्या उन्हें उत्तम गुणवत्ता का मुफ्त चावल नहीं मिल रहा है?

शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाने वाले छात्र इस देश के आम नागरिक की पहचान बनें : नेहा बोरा

विश्व केसरी■

पटना। बिहार में 'जेनजी राइजिंग' कार्यक्रम में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की पहचान शिक्षा, रोजगार और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले छात्रों से होनी चाहिए।

पटना में आईएएनएस से बातचीत में जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक छात्र एक्टिविस्ट पर कथित हमले के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के मामले का जिक्र करते हुए नेहा बोरा ने कहा कि देश के सामने दो अलग-अलग मॉडल हैं। उन्होंने कहा कि दो मॉडल हैं, एक वो है जिसमें नफरत पर

आधारित भारत को बढ़ावा दिया जा रहा है, जहां स्वतंत्र भारद्वाज जैसे लोग इस देश के आम नागरिक की पहचान बन जाएं। हम चाहते हैं कि जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्र, गर्दनीबाग में प्रदर्शन कर रहे छात्र, बीपीएससी घोटाले और पुलिस भर्ती घोटाले के खिलाफ आवाज उठा रहे छात्र, तथा शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाने वाले छात्र इस देश के आम नागरिक की पहचान बनें। नेहा बोरा ने कहा कि यही उनके और देश के आम लोगों के बीच राजनीतिक अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी विचारधारा आम लोगों का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि भाजपा और आरएसएस सत्ता की राजनीति कर रहे हैं। 'जेनजी राइजिंग' कार्यक्रम को लेकर नेहा बोरा ने कहा कि इसका मकसद बिहार के उन छात्रों के साथ एकजुटता दिखाना था, जो लंबे समय से अपने अधिकारों और विभिन्न मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। जब वे जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन के समर्थन में सड़कों पर उतरे, तो उन पर लाठीचार्ज किया गया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने 78 करोड़ रुपए की लागत वाली सात परियोजनाओं की रखी आधारशिला

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बवानी खेड़ा में 'विकास संकल्प जनसभा' को संबोधित करते हुए इलाके के सर्वांगीण विकास का रोडमैप पेश किया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने 78 करोड़ रुपए की सात विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा में भाजपा की 'डबल-इंजन' सरकार अब तीन गुना गति से विकास कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की रैली में लोगों की भारी भागीदारी हरियाणा की डबल-इंजन सरकार की नीतियों में लोगों के अटूट विश्वास का प्रमाण है। बवानी खेड़ा

के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने संकल्प को दोहराते हुए सीएम सैनी ने कहा कि विकास का एक नया अध्याय हर कदम पर लिखा जाएगा और यह क्षेत्र प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में इस विधानसभा क्षेत्र में 1,446 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए गए हैं, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के 10 साल के कार्यकाल में यह आंकड़ा केवल 609.58 करोड़ रुपए था। सीएम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए हैं। नेशनल हाईवे (एनएच)-148बी के भिवानी-हांसी सेक्शन का काम 1,322 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया है, जबकि एनएच-709ए का निर्माण 749 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। एनएच-709ई के भिवानी-खर्क सेक्शन को 169 करोड़ रुपए की लागत से फोर-लेन सड़क में बदला गया है।

उन्होंने कहा कि 413 करोड़ रुपए की लागत से मन्हेरू-बवानी खेड़ा रेलवे लाइन को डबल करने का काम चल रहा है, जिसमें से 12 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है।

लखनऊ में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र में एक 40 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने भाई सौरभ श्रीवास्तव की तहरीर पर पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रविवार को डायल-112 पर मकान मालिक द्वारा सूचना दी गई कि उनके किरायेदार हिमांशु श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी रश्मि की मृत्यु होने की जानकारी दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

जांच के दौरान हिमांशु श्रीवास्तव, जो वर्तमान में सूचना अधिकार प्रकोष्ठ, डालीगंज,

कमिश्नरेट लखनऊ में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात हैं, अपने घर पर मौजूद मिले। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान उन्होंने घटना के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। पुलिस को घर के अंदर रश्मि (40) का शव फर्श पर पड़ा मिला। शव के सिर के आसपास खून के निशान पाए गए, जिसके बाद मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ।

नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का बयान न्याय विभाग पर हमला : अकाली दल

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति को फेडरल स्ट्रक्चर पर हमला बताए जाने पर शिरोमणि अकाली दल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वकील अर्शदीप सिंह क्लेर ने इसे ज्यूडिशियरी पर सीधा हमला करार देते हुए कहा कि वह बतौर वकील न्याय विभाग के साथ खड़े हैं। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के बयान पर शिरोमणि अकाली दल के चीफ स्पोक्सपर्सन एडवोकेट अर्शदीप सिंह क्लेर ने कहा, 'आप के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस के अपॉइंटमेंट के बारे में एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह अपॉइंटमेंट पंजाब के फेडरल स्ट्रक्चर पर एक बड़ा हमला है। उन्होंने कहा, 'मैं पंजाब सरकार के मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस बयान की निंदा करता हूं और आम आदमी पार्टी सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस मामले में पंजाब सरकार की क्या भूमिका है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में कुल्हाड़ी से हमलाकर की भाभी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

कोलकाता। पुलिस ने रविवार को बताया कि पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कुल्हाड़ी से भाभी की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह घटना शनिवार देर रात मालदा के हरीशचंद्रपुर इलाके में हुई। महिला की पहचान हरीशचंद्रपुर के रामनगर बैसा इलाके की रहने वाली 27 वर्षीय अमृता ओरांव के तौर पर हुई है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात अमृता घर पर खाना बना रही थी, तभी उसका देवर पंचू ओरांव अचानक वहां आया, कुल्हाड़ी से उस पर हमला किया और मौके से भाग गया। परिवार के सूत्रों के मुताबिक, घटना के समय

उसका पति नंदलाल ओरांव घर पर नहीं था और उनके दो बच्चे घर में कहीं और खेल रहे थे।

अमृता की चीखें सुनकर परिवार के अन्य सदस्य दौड़े। हंगामे के बाद पड़ोसी भी उनके घर पर जमा हो गए। खून से लथपथ अमृता को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर चंचल सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) सोमनाथ साहा, हरीशचंद्रपुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज (आईसी) सुमित कुमार घोष और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

त्रिपुरा में आदिवासी वोटरों को गुमराह कर रहे हैं भाजपा और टिपरा मोथा : कांग्रेस

विश्व केसरी■

अगरतला। त्रिपुरा में 28 सितंबर को होने वाले ग्राम समिति (विलेज कमेटी) चुनाव से पहले कांग्रेस ने भाजपा और उसकी सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) पर आदिवासी मतदाताओं को एक बार फिर 'गुमराह' करने का आरोप लगाया है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने रविवार को भाजपा और टीएमपी प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएएडीसी) क्षेत्र के मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए लंबे समय से लंबित त्रिपक्षीय समझौते को चुनावी मुद्दा बनाया जा रहा है।

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा और टीएमपी के बीच ग्राम समिति चुनाव साथ लड़ने के

फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए रॉय बर्मन ने कहा कि चुनावी गठबंधन पर उन्हें कुछ नहीं कहना है, लेकिन यह सवाल जरूर है कि त्रिपक्षीय समझौते को चुनावी गठबंधन से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, 'भाजपा और टीएमपी की यह आदत बन गई है कि हर दूसरे चुनाव में दोनों साथ लड़ते हैं और टीटीएएडीसी क्षेत्र के लोगों को गुमराह करते हैं।' कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य रॉय बर्मन ने समझौते के क्रियान्वयन की स्थिति पर सवाल उठाते हुए पूछा, 'ए.के. मिश्रा कहां हैं?' उन्होंने केंद्र द्वारा नियुक्त पूर्व वार्ताकार का जिक्र करते हुए कहा कि मार्च 2024 में लोगों से वादा किया गया था कि छह महीने के भीतर समझौता लागू होगा, लेकिन ढाई साल बाद भी कोई ठोस प्रगति नहीं हुई।उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से ठीक पहले समझौते को फिर से सक्रिय करना केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश है। कांग्रेस नेता ने प्रद्योत देबबर्मा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि वे सार्वजनिक रूप से बताएं कि किन मांगों पर सहमति बनी है। रॉय बर्मन ने कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 275 और 280 के तहत सुरक्षा प्रावधान, अनुच्छेद 371के, प्रस्तावित 125वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने और जनजातीय भाषा कोकबोरोक के लिए रोमन लिपि को मान्यता देने जैसी स्पष्ट मांगें उठाई हैं।

गुवाहाटी में उपराष्ट्रपति की अपील, करुणा और नैतिकता के साथ सेवा करें स्वास्थ्य पेशेवर

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने नव-स्नातक स्वास्थ्य पेशेवरों से करुणा, नैतिकता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता के मूल्यों का पालन करने तथा अपने ज्ञान और कौशल को मानवता की सेवा के लिए समर्पित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2023, 2024 और 2025 के लिए डॉ. जॉन बेरी व्हाइट पुरस्कार भी प्रदान किए।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय स्वास्थ्य विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में उभरा है। उन्होंने स्थानीय भाषाओं में

चिकित्सा ज्ञान के प्रसार के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जिसमें मेडिकल साइंस का एंग्लो-असमिया शब्दकोश तथा असमिया भाषा में चिकित्सा पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन शामिल है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब तक 44 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं और इस योजना ने गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को चिकित्सा व्यय में अनुमानत: 2 लाख करोड़ रुपए की बचत करने में सहायता प्रदान की है। असम के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2021 के सात से बढ़कर 15 हो गई है और नौ अन्य मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। उन्होंने एम्स गुवाहाटी तथा असम के त्रिस्तरीय कैंसर देखभाल नेटवर्क का भी उल्लेख किया, जिसमें राज्य का पहला प्रोटॉन बीम थेरेपी केंद्र शामिल है।

उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा और असम सरकार को स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के बदलते परिदृश्य के कारण अब असम के बाहर के मरीज भी उन्नत उपचार के लिए बढ़ती संख्या में गुवाहाटी का रुख कर रहे हैं।

एमपीएससी छात्रों के आंदोलन को आदित्य ठाकरे का समर्थन, पेपर लीक पर सरकार को घेरा

विश्व केसरी■

पिंपरी-चिंचवड़। शिवसेना (यूबीटी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए पेपर लीक मामले को लेकर सरकार को घेरा है।

इसके साथ ही उन्होंने हिंजेवड़ी के खराब बुनियादी ढांचे, सड़कों की बदहाल स्थिति, कचरे और पानी की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा।

आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को युवाओं और छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने समाचार एजेंसी

आईएएनएस से बातचीत में राहुल गांधी के कार्यक्रमों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि राहुल गांधी हर जगह की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम कर रहे हैं और देश भर में 'छात्रों की गूंज' और युवाओं की आवाज को बुलंद कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्र और युवा जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उन्हें सामने लाना और उनकी आवाज को मजबूती देना जरूरी है। पेपर लीक के मुद्दे पर आदित्य ठाकरे ने सरकार को घेरते हुए कहा कि परीक्षाओं की पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य से जुड़ा यह बेहद गंभीर विषय है।

अगले हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी के लिए क्या होंगे सपोर्ट और रेजिस्टेंस

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बाजार विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में सतर्कतापूर्ण दायरे में कारोबार कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। ऐसे माहौल में निवेशकों की नजर प्रमुख तकनीकी स्तरों पर बनी रहेगी।

पिछले सप्ताह भारतीय बाजार दबाव में रहे, हालांकि शुक्रवार को दोनों प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 362.57 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर 76,515.43 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24.25 अंक यानी 0.10 प्रतिशत बढ़कर 23,897.70 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 24,000 का स्तर पार किया था, लेकिन क्लोजिंग ऑक्शन सत्र में अधिकांश बढ़त गंवा बैठा।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सेंसेक्स के लिए 77,000 से 77,500 का स्तर निकटतम प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) रहेगा। इसके ऊपर 77,700 से 78,000 का दायरा मजबूत बाधा माना जा रहा है। यदि सेंसेक्स 78,000 के ऊपर टिकाऊ बढ़त दर्ज करने में सफल रहता है, तो इसमें तेजी का नया चरण शुरू हो सकता है और सूचकांक 78,500 से 78,800 की ओर बढ़ सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेंसेक्स अभी भी सुधार और समेकन के दौर में है। ऐसे में यदि मौजूदा स्तरों पर खरीदारी का समर्थन कमजोर पड़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है और सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है।

दूसरी ओर, निफ्टी के लिए 23,800 सबसे महत्वपूर्ण समर्थन स्तर (सपोर्ट लेवल) माना जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर के ऊपर बने रहना सूचकांक के लिए जरूरी होगा। यदि निफ्टी लगातार 23,800 के नीचे फिसलता है, तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और सूचकांक 23,600 के स्तर तक जा सकता है।

ऊपर की ओर 24,000 से 24,200 का स्तर निफ्टी के लिए प्रमुख रेजिस्टेंस रहेगा। विश्लेषकों के अनुसार, जब तक निफ्टी इस दायरे को निर्णायक रूप से पार नहीं करता, तब तक बाजार में सतर्कता बनी रह सकती है और निवेशक हर उछाल पर मुनाफावसूली कर सकते हैं। पिछले सप्ताह बाजार की कमजोरी का प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति को लेकर चिंताओं ने ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया। ऊंचे तेल मूल्य भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए महंगाई और कॉर्पोरेट लागत दोनों पर दबाव बढ़ा सकते हैं।

डीआईआई ने खरीदारी जारी रखकर संभाला बाजार

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की सतर्कता का रुख पिछले सप्ताह भी जारी रहा। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने लगातार तीसरे सप्ताह शुद्ध बिक्रेता रहे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने खरीदारी जारी रखकर बाजार को महत्वपूर्ण सहारा दिया।

बजाज ब्रोकिंग के रिसर्च के डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट पबित्रो मुखर्जी ने कहा कि पिछले सप्ताह एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजार से 5,610 करोड़ रुपए (56.1 बिलियन रुपए) की शुद्ध निकासी की। वहीं डीआईआई ने इस दौरान 23,160 करोड़ रुपए (231.6 बिलियन रुपए) के शेयर खरीदे। विशेष रूप से 31 अगस्त को हुए एमएससीआई सूचकांक के त्रैमासिक पुनर्संतुलन सत्र सहित सप्ताह के तीन कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे।

पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में दबाव का प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल रहा है। इन कारकों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और प्रमुख सूचकांकों में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिला। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई और कॉर्पोरेट लागत दोनों पर दबाव बढ़ा सकती हैं। हालांकि प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी के बावजूद बाजार की समग्र स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत बनी रही। घरेलू तरलता और चुनिंदा शेयरों में खरीदारी ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा। विशेष रूप से कुछ स्मॉलकैप शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जबकि मिडकैप शेयरों में मुनाफावसूली का दबाव रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में सुधार दर्ज किया गया। मेटल, इंश्योरेंस और चुनिंदा वित्तीय शेयरों में मजबूत खरीदारी के चलते बाजार को समर्थन मिला, जिससे यह संकेत मिला कि निवेशक पूरी तरह जोखिम से दूर नहीं हो रहे हैं, बल्कि बेहतर प्रदर्शन की संभावना वाले क्षेत्रों में निवेश जारी रखे हुए हैं।

भारत यूरोप के लिए डीजल का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वैश्विक ऊर्जा व्यापार में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। ऊर्जा खुफिया फर्म वोर्टेक्सा की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस से डीजल आपूर्ति में तेज गिरावट और अमेरिका से होने वाले निर्यात में कमजोरी के बीच भारत यूरोप के लिए डीजल का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। अगस्त 2026 में बाब-अल-मंदेब जल मार्ग से होकर यूरोप जाने वाले डीजल कार्गो का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा भारतीय रिफाइनरियों से आया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त के दौरान यूरोप के लिए रवाना हुए लगभग 2 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) डीजल और गैसऑयल ने बाब-अल-मंदेब मार्ग का उपयोग किया, जो पिछले वर्ष के समान स्तर के करीब रही। उल्लेखनीय है कि मार्च और अप्रैल 2026 में इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से होने वाली आवाजाही लगभग ठप हो गई थी। ऐसे समय में भारत ने यूरोप की पूर्वी आपूर्ति श्रृंखला को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की यह स्थिति उसके विशाल रिफाइनिंग नेटवर्क पर आधारित है। वर्तमान में भारत 258.1 मिलियन टन प्रतिवर्ष की स्थापित क्षमता के साथ दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन केंद्र है। देश की रिफाइनिंग क्षमता घरेलू

ईंधन मांग से काफी अधिक है, जिससे भारतीय कंपनियों को बड़े पैमाने पर पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करने का अवसर मिलता है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 6.15 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया, जिससे वह दुनिया के सबसे बड़े परिष्कृत ईंधन निर्यातकों में शामिल हो गया। इन उत्पादों की मांग यूरोप में लगातार बढ़ रही है, जहां प्रतिबंधों, रिफाइनरियों में व्यवधान और वैश्विक व्यापार मार्गों में बदलाव के कारण वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की आवश्यकता बढ़ गई है।

हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यूरोप के डीजल बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका की स्थिरता पर सवाल उठने लगे हैं, जिसका मुख्य कारण भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति में आई कमी है। अगस्त में भारत को मिलने वाली कच्चे तेल और कंडेनसेट की आपूर्ति लगातार दूसरे महीने घटकर लगभग 38 लाख बैरल प्रतिदिन रह गई, जबकि एक वर्ष पहले यह आंकड़ा 48 लाख बैरल प्रतिदिन था। यूरोप में डीजल आपूर्ति पर दबाव का सबसे बड़ा कारण रूस से होने वाले निर्यात में भारी कमी है। कभी यूरोप के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहे रूस का समुद्री मार्ग से डीजल और गैसऑयल निर्यात अगस्त के पहले 25 दिनों में औसतन 1.5 लाख बैरल प्रतिदिन ही रहा।

11,639 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' से 2,616 गांवों के विकास का लक्ष्य

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के सीमावर्ती गांवों को विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के मजबूत स्तंभ के रूप में स्थापित करने के लिए वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत बड़े पैमाने पर पहल शुरू की है। सरकार ने रविवार को बताया कि 11,639 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाली इस योजना के माध्यम से देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित 2,616 से अधिक गांवों को बुनियादी सुविधाओं, रोजगार अवसरों और आधुनिक अवसंरचना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार का मानना है कि सीमावर्ती गांव केवल देश के अंतिम छोर पर बसे क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि वे भारत के 'प्रथम गांव' हैं। इसी सोच के साथ इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण भाग बनाने पर जोर दिया

जा रहा है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत सड़क संपर्क, बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, पेयजल, डिजिटल कनेक्टिविटी और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को विकास की वही सुविधाएं मिलें जो देश के अन्य हिस्सों में उपलब्ध हैं।

भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमाएं 15,000 किलोमीटर से अधिक लंबी हैं और सात देशों से जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे लंबी सीमा बांग्लादेश (4,096.7 किमी) के साथ है, जबकि चीन (3,488 किमी) और पाकिस्तान (3,323 किमी) के साथ भी लंबी सीमाएं साझा की जाती हैं। इसके अलावा, नेपाल, म्यांमार, भूटान और अफगानिस्तान के साथ भी भारत की सीमाएं लगती हैं।

दशकों तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित संपर्क सुविधाओं, कमजोर अवसंरचना और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण अनेक सीमावर्ती गांव विकास की मुख्यधारा से दूर रहे। इन परिस्थितियों के चलते बड़ी संख्या में लोगों ने इन क्षेत्रों से पलायन किया, जिससे कई गांवों की आबादी लगातार घटती चली गई। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने वर्ष 2023 में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम शुरू किया, जिसका उद्देश्य केवल भौतिक अवसंरचना का निर्माण नहीं है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में टिकाऊ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर मजबूत और आत्मनिर्भर समुदाय तैयार करना भी है।

योजना को दो चरणों, वीवीपी-1 और वीवीपी-2, में लागू किया जा रहा है। वीवीपी-1 मुख्य रूप से उत्तरी सीमा क्षेत्रों के गांवों पर केंद्रित है, जबकि वीवीपी-2 के तहत अन्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े गांवों को शामिल किया जा रहा है। दोनों चरणों को मिलाकर 2,616 से अधिक गांवों को कवर किया जाएगा।

ब्रिक्स इंडिया 2026 : दुनिया का स्वागत करने को तैयार नई दिल्ली

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। 12 और 13 सितंबर 2026 को भारत मंडपम में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने राष्ट्रीय राजधानी की प्रमुख सड़कों, बाजारों, होटल क्षेत्रों और वीआईपी मार्गों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, रोशनी और यातायात मार्गों की सुगमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए तैयारियों को तेज कर दिया है।

इस बीच, एनडीएमसी के चेयरमैन मनोज द्विवेदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी तैयारियों को लेकर कुछ तस्वीरें और ब्रिक्स इंडिया 2026 का लोगो शेयर किया है। एक पोस्ट में उन्होंने ब्रिक्स इंडिया 2026 का लोगो शेयर करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्थानों पर एनडीएमसी द्वारा 2026 के ब्रिक्स समिट का स्वागत और स्मरण करने के लिए इस प्रकार की व्यवस्था की जाएगी।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि हमारे गोलचक्करों पर रोशनी और सौंदर्यीकरण का काम शुरू हो गया है। इससे पहले न्यू दिल्ली मुंसिपल काउंसिल ऑफिशियल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'नई दिल्ली, दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, एनडीएमसी व्यापक सौंदर्यीकरण और सड़क सुधार कार्यों के माध्यम से नई दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों को एक नया और जीवंत रूप दे रहा है। गड्ढों से मुक्त सड़कों, बेहतर

फुटपाथों और स्पष्ट ज़ेबरा क्रॉसिंग से लेकर थीम आधारित पेंटिंग, रोशन फव्वारों और उन्नत फुटपाथों तक, हर पहलू को सावधानीपूर्वक बेहतर बनाया जा रहा है ताकि एक स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक स्वागत योग्य शहर का निर्माण हो सके।

नई दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों को गर्व, उद्देश्य और वैश्विक स्वागत की भावना के साथ रूपांतरित किया जा रहा है।' इससे पहले एनडीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि पालिका केंद्र स्थित एनडीएमसी का एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर 5 से 14 सितंबर तक चौबीसों घंटे काम करेगा। साथ ही, यातायात की निगरानी और कॉल अटेंड करने के लिए एक कंट्रोल रूम भी मौजूद रहेगा।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि प्रत्येक तीन शिफ्ट में निदेशक या संयुक्त निदेशक स्तर के दो अधिकारी तैनात रहेंगे, जबकि 11 विंगों को रात्रि ड्यूटी सौंपी गई है ताकि किसी भी समस्या का समय पर समाधान किया जा सके।

अधिकारी ने बताया कि यह भी निर्णय लिया गया है कि संबंधित विभाग के प्रभारी कॉल अटेंड करने के लिए उपलब्ध रहेंगे, जबकि मुख्य सुरक्षा अधिकारी दिल्ली पुलिस और यातायात पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। धूल और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लोधी रोड, तिलक मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू, शांतिपथ और जाकिर हुसैन रोड सहित पांच स्थानों पर विशेष रूप से धुंध का छिड़काव किया जाएगा।

तैयारियों में 17 प्रमुख गोल चक्करों, 11 होटलों और 10 एनडीएमसी भवनों पर सजावटी प्रकाश व्यवस्था के अलावा 15 स्थानों पर फूलों के बोर्ड, नौ स्थानों पर फूलों के फव्वारे और प्रमुख सड़कों और महत्वपूर्ण चौराहों के किनारे 15,000 से अधिक फूलों के गमले शामिल हैं।

आन रॉयल एनफील्ड, रायपुर में रॉयल एनफील्ड हिमालयन की भव्य लॉन्चिग

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर के आन रॉयल एनफील्ड, पचपेड़ी नाका में बहुप्रतीक्षित रॉयल एनफील्ड हिमालयन का शानदार लॉन्च आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आन रॉयल एनफील्ड के डीलर प्रशांत केशरवानी एवं कंपनी मैनेजर सतीश की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में रॉयल एनफील्ड प्रेमियों, ग्राहकों एवं बाइकिंग उत्साही लोगों ने नई हिमालयन को करीब से जाना और इसकी एडवेंचर क्षमता एवं आधुनिक तकनीक का अनुभव किया।

नई हिमालयन को खास तौर पर एडवेंचर और लॉन्ग-राइडिंग के शौकीन राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। दमदार परफॉर्मेंस, आधुनिक फीचर्स और रॉयल एनफील्ड की प्रतिष्ठित पहचान इसे एडवेंचर बाइकिंग सेगमेंट में एक शानदार विकल्प बनाती है।

आन रॉयल एनफील्ड, पचपेड़ी नाका, रायपुर की टीम सभी बाइकिंग एन्थूसियास्ट्स को नई हिमालयन का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित करती है।

प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग से बढ़ेगा व्यापार युवा कैट बिजनेस मीट में बनी नई दिशा

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। युवा कैट द्वारा युवा उद्यमियों एवं व्यापारियों के बीच आपसी परिचय, व्यापारिक सहयोग एवं रेफरल नेटवर्किंग को मजबूत करने के उद्देश्य से बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा उद्यमियों एवं व्यापारियों ने सहभागिता की तथा आपसी सहयोग के माध्यम से व्यापार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कांती पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि बिजनेस मीट का मुख्य उद्देश्य युवा व्यापारियों को एक-दूसरे के व्यवसाय को समझने, नए व्यापारिक अवसर तलाशने तथा मजबूत

रेफरल नेटवर्क तैयार करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज माहेश्वरी, मैनेजिंग पार्टनर, महेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने अपने संबोधन में कहा कि आज का सफल व्यापारी केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी ईमानदारी से निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में सफलता केवल लाभ कमाने से नहीं, बल्कि ग्राहक का विश्वास, बेहतर गुणवत्ता और मजबूत व्यावसायिक संबंध बनाने से प्राप्त होती है।

पंकज माहेश्वरी ने व्यापार की सफलता के पाँच महत्वपूर्ण मंत्र बताए:- माहेश्वरी ने कहा कि व्यवसाय में लाभ महत्वपूर्ण है, लेकिन ग्राहक का विश्वास और संतुष्टि उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे अपने व्यवसाय को केवल आज के लाभ के दृष्टिकोण से न देखें, बल्कि गुणवत्ता, विश्वास और मजबूत ब्रांड के माध्यम से भविष्य के लिए एक प्रतिष्ठित व्यवसाय खड़ा करें। उन्होंने कहा कि कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में युवा कैट द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे मासिक बिजनेस मीट अत्यंत सराहनीय पहल हैं। ऐसे कार्यक्रम व्यापारियों के बीच संवाद, विश्वास, सहयोग और नेटवर्किंग को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा युवा उद्यमियों को सीखने और आगे बढ़ने का उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराते हैं।

इन 6 पौधों को रोज की डाइट में करें शामिल, शरीर में नहीं होगी पोषक तत्वों की कमी

अच्छी सेहत के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेना बहुत जरूरी है. शरीर को सही तरीके से काम करने के लिए प्रोटीन, विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है. ऐसे में कुछ पौधे और उनसे मिलने वाले खाद्य पदार्थ डाइट को पौष्टिक बनाने में मदद कर सकते हैं. यहां आप ऐसे ही पौधों के बारे में जान सकते हैं.

आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में कई पौधों का इस्तेमाल लंबे समय से अलग-अलग स्वास्थ्य लाभों के लिए किया जाता रहा है. इन्हें सही मात्रा और उचित तरीके से डाइट में शामिल करने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी का खतरा कम रहता है. साथ ही कई बीमारियों में भी मददगार साबित होता है.

शतावरी का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से खासतौर पर महिलाओं की सेहत और ऊर्जा को बनाए रखने के लिए किया जाता रहा है. इसे शरीर को ताकत देने और सामान्य स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है. इसके अलावा, पाचन को बेहतर रखने के लिए भी शतावरी का पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है.

मोरिंगा यानी सहजन की पत्तियां कई पोषक तत्वों से भरपूर मानी जाती हैं. इनमें प्रोटीन के साथ कई विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं. इन्हें संतुलित डाइट का हिस्सा बनाकर भोजन की पोषण गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है. पारंपरिक रूप से मोरिंगा की पत्तियों का इस्तेमाल ऊर्जा और अच्छी सेहत के लिए किया जाता रहा है.

आंवला विटामिन सी और प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत माना जाता है. इसे पारंपरिक रूप से पाचन और सामान्य स्वास्थ्य के लिए इस्तेमाल किया जाता है. आंवले में मौजूद पोषक तत्व शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं.

ब्राह्मी का इस्तेमाल आयुर्वेद में लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े उद्देश्यों के लिए किया जाता है. इसे याददाश्त और एकाग्रता को सपोर्ट करने वाला माना जाता है. पारंपरिक रूप से तनाव कम करने और दिमागी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है.

गिलोय आयुर्वेद में इस्तेमाल होने वाला एक प्रसिद्ध पौधा है. इसे पारंपरिक रूप से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता और सामान्य स्वास्थ्य को सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना जाता है, यानी यह वात, पित्त और कफ के संतुलन से जुड़ी मानी जाती है.

तुलसी भारतीय घरों में आसानी से मिलने वाला पौधा है. इसका इस्तेमाल पारंपरिक रूप से सांस से जुड़ी सेहत और सामान्य स्वास्थ्य के लिए किया जाता है. तुलसी में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं और इसे पारंपरिक रूप से तनाव से निपटने में शरीर की मदद करने वाला पौधा माना जाता है।

बंगाली शादी में मां क्यों नहीं रहतीं मंडप में सदियों पुरानी इस परंपरा की वजह क्या है?

बंगाली शादियों से जुड़ी कई रस्में अपनी अनोखी परंपराओं के लिए जानी जाती हैं. इनमें एक पुरानी मान्यता ऐसी भी है, जिसमें शादी की मुख्य रस्म के दौरान मां के मंडप में न रहने की बात कही जाती है. आखिर इसके पीछे क्या वजह है?

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि रीति-रिवाजों और पारिवारिक परंपराओं से जुड़ा एक बड़ा समारोह है. अलग-अलग राज्यों और समुदायों में विवाह की रस्में भी अलग होती हैं. बंगाली हिंदू शादियों की बात करें तो यहां की कई रस्में अपनी खास पहचान रखती हैं. इन्हीं में एक पुरानी परंपरा ऐसी भी है, जिसमें दूल्हे और दुल्हन की मां को विवाह की मुख्य रस्म के दौरान मंडप में मौजूद न रहने की बात कही जाती है. हालांकि यह परंपरा हर बंगाली परिवार में आज भी उसी तरह नहीं निभाई जाती.

मां शादी में शामिल क्यों नहीं होती थीं?

पारंपरिक मान्यता के अनुसार, शादी के दौरान मां की मौजूदगी को लेकर नजर या 'नजर लगने' से जुड़ी धारणा थी. कुछ स्रोतों में बताया गया है कि मां अपने बच्चे को लेकर बेहद भावुक और लगाव रखने वाली होती है, इसलिए उसकी नजर से बच्चे के वैवाहिक जीवन पर किसी तरह का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, ऐसी मान्यता बनाई गई. इसे आज के नजरिए से वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि पुरानी लोक-मान्यता और सांस्कृतिक विश्वास के तौर पर ही समझना चाहिए.

लेकिन मां पूरी शादी से दूर नहीं रहती

इस परंपरा का एक दिलचस्प पहलू यह है कि मां को शादी की पूरी प्रक्रिया से अलग नहीं किया जाता. उदाहरण के लिए, पारंपरिक बंगाली शादी में दूल्हे की मां उसके विवाह के लिए रवाना होने से पहले उसे आशीर्वाद देती है. कुछ विवरणों के अनुसार वह दूल्हे को 'दर्पण' यानी ष्ठशह्श्रश्ठ देती है, जिसे बुरी नजर से बचाने का प्रतीक माना जाता है. इसके बाद दूल्हा बारात के साथ विवाह स्थल के लिए निकलता है और मां उसके साथ नहीं जाती.

दुल्हन की मां की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण होती है. कई पारंपरिक बंगाली शादियों में वह दूल्हे के विवाह स्थल पर पहुंचने के बाद उसका स्वागत करती है. 'बोरन' नाम की रस्म में वह आरती, मिठाई और दूसरी पारंपरिक चीजों के साथ दूल्हे का स्वागत करती है. यानी मां को शुभ अवसर से पूरी तरह दूर रखने की बात नहीं थी, बल्कि मुख्य विवाह समारोह के कुछ हिस्सों से उनकी दूरी की एक पारंपरिक मान्यता रही है.

क्या आज भी निभाई जाती है यह रस्म?

आज बंगाली शादियों का स्वरूप काफी बदल चुका है. शहरों में होने वाली आधुनिक शादियों में परिवार अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार कई पुराने रीति-रिवाजों को बदलते या छोड़ते हैं. इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि हर बंगाली शादी में मां मंडप से दूर रहती हैं. कुछ परिवार इस परंपरा को निभाते हैं, जबकि कई जगह मां विवाह समारोह में बाकायदा शामिल होती हैं।

अंडे को उबालने के बाद कितने देर में खा लेना चाहिए? जानें बॉइल्ड एग को स्टोर करने का सही तरीका

वैसे तो अंडे को आप महीनों तो बिना उबाले हुए स्टोर करके रख सकते हैं. लेकिन बॉइल एग पर ये नियम लागू नहीं होता है. ज्यादा दिन तक रखे हुए उबले अंडे को खाने से फूड पॉइजनिंग का भी खतरा रहता है. यहां जानिए अंडे को उबालने के बाद कितने देर में खा लेना चाहिए और इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है.

अंडा लंबे समय से बैलेंस डाइट का अहम हिस्सा रहा है. इसे प्रोटीन का सबसे सस्ता और अच्छा सोर्स भी माना जाता है, जिससे इसका सेवन काफी किया जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट भी इसके सेवन को शरीर की मांसपेशियों, हड्डियों और समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताते हैं. ऐसे में कई लोग अंडे को ऑमलेट, भुर्जी या फ्राई करके खाते हैं, लेकिन उबला हुआ अंडा सबसे हेल्दी विकल्प माना जाता है क्योंकि इसमें अतिरिक्त तेल या मसाले नहीं होते हैं.

लेकिन कई लोग उबले अंडे को खाने में भी एक ऐसी गलती कर बैठते हैं, जिससे शरीर में पोषक तत्वों की जगह बीमारियां पहुंच जाती है. ये गलती और कुछ नहीं बल्कि उबले हुए अंडे को सही तरीके से स्टोर न करने से जुड़ी है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि उबले हुए अंडे को कितनी देर के भीतर खा लेना चाहिए और इसे सुरक्षित तरीके से कैसे स्टोर किया जाए.

उबले अंडे को कितने देर में खा लेना चाहिए?

विशेषज्ञों के अनुसार, उबले हुए अंडे को कमरे के तापमान पर अधिक समय तक नहीं रखना चाहिए।

52 में भी स्किन पर नहीं झुर्रियों के निशां, ग्लो करता रहता है चेहरा, मलाइका अरोड़ा ने शेयर किया सीक्रेट

मलाइका अरोड़ा को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगा पाना बहुत ही मुश्किल है. उन्होंने न सिर्फ अपनी बॉडी एक्सरसाइज से टोंड रखा है, बल्कि अपनी स्किन की भी देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ती है. यही कारण है कि 52 की उम्र में भी उनकी त्वचा टाइट और रिंकल फ्री नजर आती है. यहां आप इसके पीछे का सीक्रेट रूटीन जान सकते हैं.

फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर मलाइका अरोड़ा हमेशा चर्चा में रहती हैं. वो खुद भी सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट और वेलनेस रूटीन फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने नाइट स्किनकेयर रूटीन का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि सोने से पहले वह अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करती हैं.

मलाइका के रूटीन में मेकअप हटाने से लेकर त्वचा को हाइड्रेट रखने तक कई स्टेप शामिल हैं. खास बात ये है कि वह रात में अपनी स्किनकेयर पर दिन के मुकाबले ज्यादा समय देती हैं. अगर आप भी रात को सोने से पहले अपनी त्वचा की अच्छी तरह देखभाल करना चाहते हैं, तो मलाइका के इस रूटीन से कुछ आसान टिप्स ले सकते हैं.

सबसे पहले हटाती हैं मेकअप

मलाइका अपने नाइट रूटीन की शुरुआत मेकअप हटाने से करती हैं. उनका मानना है कि दिनभर चेहरे पर रहने वाले मेकअप को सोने से पहले अच्छी तरह साफ करना जरूरी है. इसके लिए वह सबसे पहले क्लींजिंग बाम का इस्तेमाल करती हैं. इससे मेकअप और त्वचा पर बचे अन्य अवशेषों को हटाने में मदद मिलती है.

अपनाती हैं डबल क्लींजिंग

क्लींजिंग बाम के बाद मलाइका हल्के गुनगुने पानी में भिगोए हुए वॉशक्लॉथ से चेहरा साफ करती हैं. इसके बाद वह एक सामान्य फेस क्लींजर का इस्तेमाल करती हैं. यानी वह डबल क्लींजिंग करती हैं, जिससे चेहरे को दो चरणों में साफ किया जाता है.

त्वचा को देती हैं हाइड्रेशन

चेहरा साफ करने के बाद मलाइका स्किन को हाइड्रेट करने पर ध्यान देती हैं. वह सबसे पहले चेहरे पर फेस मिस्ट करती हैं. इसके बाद हायलूरोनिक बेस्ड प्रोडक्ट लगाती हैं. वह पेप्टाइड सीरम का भी इस्तेमाल करती हैं, जिसे वह अपने मौजूदा स्किनकेयर रूटीन का पसंदीदा हिस्सा बताती हैं.

लगाती हैं ऑयल-बेस्ड नाइट सीरम

इसके बाद मलाइका नाइट सीरम लगाती हैं. उन्होंने बताया कि यह ऑयल-बेस्ड सीरम है और वह इसकी तीसरी बोतल इस्तेमाल कर रही हैं. इसके बाद वह आंखों के आसपास आई क्रीम लगाती हैं.

रूखी त्वचा के लिए हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट

मलाइका ने बताया कि उनकी त्वचा थोड़ी ड्राई महसूस हो रही थी, इसलिए उन्होंने कुछ बूंदें हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट की भी लगाईं. उन्होंने एक छोटी-सी टिप देते हुए कहा कि चेहरे पर प्रोडक्ट लगाने के बाद अगर हाथों पर कुछ बच जाए, तो उसे हाथों पर ही लगा लेना चाहिए, ताकि प्रोडक्ट बेकार न जाए.

आखिर में लिप बाम

अपने नाइट स्किनकेयर रूटीन के अंत में मलाइका होंठों पर बाम लगाती हैं. सभी स्टेप पूरे करने के बाद वह अपने फैंस को गुडनाइट कहती हैं।

होटल जैसी सब्जी का राज है ये होममेड मसाला, दालचीनी-लौंग से मिनटों में करें तैयार, स्वाद हो जाएगा दोगुना

अगर आप रोज़ बनने वाली सब्ज़ी का स्वाद रेस्टोरेंट या होटल जैसा बनाना चाहते हैं, तो आप यह घर का बना मसाला तैयार करके रख सकते हैं. सब्ज़ी में इसकी थोड़ी सी मात्रा डालने से ही उसमें बहुत अच्छी खुशबू और गरम मसाले जैसा स्वाद आ जाता है.

अक्सर घर पर सब्ज़ी बनाते समय, सारे मसाले डालने के बाद भी उसमें रेस्टोरेंट या होटल जैसा स्वाद नहीं आ पाता. इसकी एक वजह मसालों का सही संतुलन और उनकी खुशबू हो सकती है. अगर आप अपनी रोज़ाना की सब्ज़ी को थोड़ा खास बनाना चाहते हैं, तो दालचीनी और लौंग का इस्तेमाल करके घर पर ही मसालों का एक खास मिश्रण तैयार कर सकते हैं. इसकी थोड़ी सी मात्रा डालने से ही सब्ज़ी में शानदार खुशबू और 'गरम मसाले' जैसा स्वाद आ जाता है...

मसाले के लिए सामग्री

दालचीनी के 2 छोटे टुकड़े, 5-6 लौंग, 1 छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच साबुत धनिया, 3-4 काली मिर्च, 2 हरी इलायची और 1 सूखी लाल मिर्च लें. अगर आपको कम तीखा स्वाद पसंद है, तो आप लाल मिर्च की मात्रा कम कर सकते हैं.

घर पर मसाला कैसे तैयार करें

सबसे पहले, भारी तले वाले पैन को धीमी आंच पर गरम करें. इसमें दालचीनी, लौंग, जीरा, साबुत धनिया, काली मिर्च, इलायची और सूखी लाल मिर्च डालें. मसालों को बिना तेल के धीमी आंच पर हल्का भून लें।

भीलवाड़ा का 'ऑक्सीजन हब' बना स्मृति वन, हरियाली के बीच सुकून तलाशने पहुंचते हैं लोग

भीलवाड़ा का स्मृति वन धीरे-धीरे शहर के प्रमुख हरित स्थलों में अपनी पहचान बना रहा है. घनी हरियाली, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक माहौल के चलते यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. शहर की भागदौड़ से दूर यहां लोग सुकून के पल बिताने पहुंचते हैं. स्मृति वन को भीलवाड़ा के 'ऑक्सीजन हब' के रूप में भी पहचान मिल रही है और यह स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करता है.

भीलवाड़ा - भीलवाड़ा शहर के हरनी महादेव रोड पर स्थित स्मृति वन शहरवासियों के साथ प्रकृति प्रेमियों के लिए भी पसंदीदा जगह बना हुआ है. यहां लोग हरियाली के बीच घूमने के साथ ट्रैकिंग और सुबह की सैर का आनंद लेते हैं. शहर के नजदीक होने के कारण बड़ी संख्या में लोग यहां समय बिताने पहुंचते हैं.

चामुंडा माता और हरणी महादेव के पहाड़ी क्षेत्र के बीच विकसित स्मृति वन की खूबसूरती देखते ही बनती है. यहां बनाई गई कृत्रिम झील इसकी खास पहचान है. आसमान से देखने पर झील का आकार दिल जैसा दिखाई देता है.

झील में सारस सहित कई प्रजातियों के जलचर पक्षी भी नजर आते हैं, जिससे यहां का प्राकृतिक वातावरण और सुंदर हो जाता है.

स्मृति वन की झील की चहारदीवारी को महलों और रजवाड़ों की शैली में तैयार किया गया है. यही वजह है कि यह जगह शहरवासियों के लिए आकर्षक सेल्फी पॉइंट भी बन गई है. लोग यहां परिवार और दोस्तों के साथ पहुंचकर प्रकृति के बीच समय बिताते हैं और तस्वीरें लेते हैं.

स्मृति वन को भीलवाड़ा का ऑक्सीजन हब भी कहा जाता है. शहर में बढ़ते प्रदूषण के बीच यहां मौजूद बड़ी संख्या में पेड़-पौधे वातावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद करते हैं. करीब 465 बीघा क्षेत्र में फैले इस वन क्षेत्र में लगभग 150 बीघा पहाड़ी और 315 बीघा में गार्डन विकसित किया गया है.

स्मृति वन की एक बड़ी खासियत यहां बना ट्रैकिंग और वॉकिंग ट्रैक है. यहां करीब दो किलोमीटर का ट्रेक मौजूद है. वहीं करीब डेढ़ किलोमीटर का वॉकिंग ट्रेक भी है जहां सुबह के समय बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. कई लोग यहां रोजाना दौड़ और वॉक कर खुद को फिट रखने की कोशिश करते हैं.

बच्चों के लिए भी स्मृति वन में विशेष खेल जोन बनाया गया है. यहां बच्चों के लिए अलग-अलग तरह के खेल उपकरण लगाए गए हैं. इस कारण यह जगह बच्चों को भी खूब पसंद आती है. परिवार के लोग एक साथ यहां आकर हरियाली, खेल और खुले वातावरण का आनंद ले सकते हैं. यहां इस जेल में विभिन्न प्रजातियों की बतक और हंस भी है.

शहर से थोड़ी दूरी पर शांत और प्राकृतिक वातावरण में स्थित स्मृति वन भीलवाड़ा की खूबसूरती में खास रंग भर रहा है. हरियाली, पहाड़ियां, झील, पक्षी और ट्रैकिंग ट्रेक इसे घूमने के लिए खास बनाते हैं. यही कारण है कि स्मृति वन स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

'चुंबक' पर काम करते हुए एक कलाकार के तौर पर खुद को विकसित होते देखा: हेली शाह

मुंबई। एक्ट्रेस हेली शाह, जो अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज **'चुंबक'** की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं, ने कहा है कि इस शो पर काम करते हुए उन्होंने खुद को एक आर्टिस्ट के तौर पर बेहतर होते देखा है।

कॉमेडी रोल ने दिया नया अनुभव

यह शो उनके लिए पूरी तरह से कॉमेडी रोल बाला है। हालांकि उन्होंने पहले भी कॉमेडी में कुछ काम किया है लेकिन 'चुंबक' में उनके रोल ने उन्हें एक अलग तरह के काम में कदम रखने का मौका दिया।

रोल मिलने पर क्या कहा

एक्ट्रेस ने मुंबई के बीकेसी इलाके में शो के प्रमोशन के दौरान अर्जुन बिजलानी, अनंत जोशी, डेलनाज ईरानी और अमायरा दस्तूर के साथ आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला।

उन्होंने मीडिया से कहा, "मेरे लिए यह किरदार बहुत अलग है। मैंने कॉमेडी में कुछ काम किया है लेकिन द्विंकल जैसा किरदार, मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले कभी निभाया है। इस रोल को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि मैं कॉमेडी कर सकती हुं। कम से कम कोशिश तो कर ही सकती हुं। इस शो की शूटिंग के दौरान मैंनै खुद को बेहतर होते देखा है।"

> "यह बहुत खास था क्योंकि मेकर्स ने मुझे फोन करके बताया कि यह शो बन रहा है। उस समय नवरात्रि चल रही थी और मैं गरबा खेलने की तैयारी कर रही थी।"
>
> — हेली शाह
> एक्ट्रेस

टीवी से ओटीटी तक का सफर

इससे पहले, एक्ट्रेस ने टेलीविजन से ओटीटी में आने और इस रास्ते को तय करने के बारे में बात की थी। टेलीविजन से दूसरे माध्यमों में जाने वाले एक्टर्स के लिए, पहले सै बनी धारणाओं से बाहर निकलना अक्सर सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होता है। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने के बावयूद, हेली ने माना कि नए फॉर्मैट आजमाने के बाद भी कई एक्टर्स को 'टीवी एक्ट्रेस' का लेबल झेलना पड़ता है।

मेघना गुलजार ने बताया कहानी कहने की प्रेरणा का राज, बोलीं- 'मेरे लिए सबसे बड़ा स्रोत है जिंदगी'

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्ममेकर मेघना गुलजार अपनी फिल्मों के जरिए अक्सर ऐसी कहानियां पर्दे पर लेकर आती हैं, जो सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। 'तलवार', 'राजी' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों में उनके निर्देशन का एक अलग अंदाज देखने को मिला। अब मेघना अपनी अगली फिल्म 'दायरा' लेकर आ रही हैं। इसमें करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले मेघना ने खुलासा किया कि आखिर उन्हें अपनी कहानियां कहने की प्रेरणा कहां से मिलती है।

मेघना गुलजार से जब आईएएनएस ने पूछा कि एक कहानीकार के तौर पर उन्हें लगातार काम करने और नई कहानियां तलाशने की ऊर्जा कहां से मिलती है, तो उन्होंने कहा, ''मेरे लिए इसका सबसे बड़ा स्रोत जिंदगी है। जिस कहानी से बदलाव शुरू होता है, वही मेरे लिए सबसे पहली और सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। मेरे लिए कहानी का मजबूत होना सबसे जरूरी है।''

मेघना ने कहा, ''मैं फिक्शन यानी काल्पनिक कहानियों की तुलना में नॉन-फिक्शन को ज्यादा पढ़ना और देखना पसंद करती हूं। असल जिंदगी और वास्तविक घटनाओं से जुड़ी चीजें मुझे समाज और दुनिया को समझने का मौका देती हैं। यही समझ एक कहानीकार के तौर पर मेरे काम में भी कहीं न कहीं शामिल होती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने ग्रेजुएशन के दौरान समाजशास्त्र की पढ़ाई की थी। इस पढ़ाई ने मेरे अंदर समाज को देखने और समझने का नजरिया बदला। मेरे भीतर एक तरह का रडार हमेशा खुला रहता है, जो आसपास और दुनिया में हो रही चीजों पर नजर रखता है। मैं यह समझने की कोशिश करती रहती हूं कि समाज में क्या चल रहा है, लोगों की सोच किस तरह बदल रही है और दुनिया किन मुद्दों से गुजर रही है।''

मेघना ने कहा, ''एक कहानीकार के लिए सिर्फ फिल्में और किताबें देखना ही काफी नहीं है। जिस दुनिया में वह रहता है, उसके बारे में जागरूक रहना भी जरूरी है। मैं लगातार अपने आसपास की दुनिया को समझने और उसमें हो रही घटनाओं से खुद को जोड़े रखने की कोशिश करती हूं। मेरे लिए सामान्य जागरूकता भी कहानी कहने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। यही वजह है कि मेरी फिल्मों में अक्सर सामाजिक मुद्दे देखने को मिलते हैं।''

बता दें कि मेघना की अगली फिल्म 'दायरा' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें अपराध और जांच की कहानी के साथ न्याय, ताकत और कानून व्यवस्था से जुड़े कई सवाल उठाए जाएंगे।

एक्टर्स को स्क्रीन पर किसी खास उम्र का किरदार निभाने की नहीं होती चिंता : मनोज बाजपेयी

मुंबई। नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी, जो अपनी आने वाली फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, ने कहा है कि एक्टर्स को स्क्रीन पर किसी खास उम्र का किरदार निभाने की कोई चिंता नहीं होती। एक्टर ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस दिव्या दत्ता और डायरेक्टर बेन रेखी के साथ आईएएनएस से बात की।

उन्होंने मीडिया से कहा, 'किसी खास उम्र का किरदार निभाना ऐसी चीज नहीं है जिसकी हमें, यानी एक्टर्स को ज्यादा चिंता हो। हमें असल में इस बात की चिंता होती है कि हम किरदार की किन परतों (लेयर्स) को छू सकते हैं, किरदार की गहराई क्या है। सभी किरदार प्याज की तरह होते हैं, बिल्कुल इंसानों की तरह। उन परतों को खोजना बहुत मुश्किल काम है। किरदार की एक बैकस्टोरी होती है, एक कैरेक्टरराइजेशन होता है। आप स्क्रिप्ट पढ़ते हैं। स्क्रिप्ट आपको कई आइडिया देती है। और उसी के आधार पर आप चीजें नोट करते हैं और एक ऐसी बैकस्टोरी बनाने की कोशिश करते हैं जो ग्रे शेड्स, बारीकियों और कई परतों से भरी हो। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर का असली काम शूटिंग के साथ शुरू होता है क्योंकि शूटिंग के दौरान चीजें रियल टाइम में होती हैं। उन्हें कभी-कभी छोटे-मोटे बदलाव करने पड़ते हैं या फिल्म की जरूरत के हिसाब से अपना तरीका बदलना पड़ता है, क्योंकि शूटिंग के दौरान ही कहानी आकार ले रही होती है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन फिर भी, काम करते समय आपको कई परतें पता चलती हैं। जैसे सेटिंग, को-एक्टर की एनर्जी, जिस तरह से वे अपने किरदार को निभा रहे हैं - ये सब आपको एक एक्टर और परफॉर्मर के तौर पर और ज्यादा खुलकर काम करने के लिए मजबूर या प्रेरित करते हैं।

'लास्ट मैन इन टावर' में दिव्या दत्ता का किरदार दिखाएगा जिंदगी की उलझी सच्चाई, बोलीं- 'संगीता को महसूस किया जा सकता है'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी आने वाली फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह संगीता नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जिसकी जिंदगी बाहर से भले ही सामान्य नजर आए लेकिन अंदर से वह कई तरह की परेशानियों, जिम्मेदारियों और भावनात्मक उलझनों से जूझ रही है। अपने इस किरदार को लेकर दिव्या ने कहा कि संगीता कोई असाधारण महिला नहीं बल्कि हमारे आसपास मौजूद उन तमाम महिलाओं में से एक है, जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इतना उलझ जाती हैं कि कई बार अपनी खुशियों और जरूरतों को ही पीछे छोड़ देती हैं।

मीडिया से बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा, ''संगीता की जिंदगी पर घर की परिस्थितियों का काफी असर पड़ा है। उसके बच्चे को खास देखभाल की जरूरत है और पति के साथ भी उसकी बातचीत काफी कम है। इन सबके बीच वह खुद भी अपनी जिंदगी और अपने व्यक्तित्व से दूर होती चली गई है। वह अपनी जिंदगी को थोड़ा आसान और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है लेकिन एक के बाद एक कई जिम्मेदारियां और परेशानियां उनकी इन कोशिशों में पानी फेर रही है।''

दिव्या ने कहा, ''घर के हालात, बच्चे की जरूरतें और पति के साथ दूरी जैसी चीजों ने उसकी जिंदगी को इस तरह घेर लिया है कि शायद उसे खुद भी एहसास नहीं हुआ कि वह कब अपने आपको नजरअंदाज करने लगी।''

उन्होंने कहा, ''एक महिला के लिए ये छोटी-छोटी चीजें काफी मायने रखती हैं कि वह कैसे रहती है, खुद को कैसे देखती है, अपनी खुशियों के लिए कितना समय निकालती है... ये सब उसकी जिंदगी का हिस्सा होता है। हालांकि जब रोजमर्रा की जिम्मेदारियां हावी हो जाती हैं तो इंसान धीरे-धीरे उसी जिंदगी को अपनी आदत मान लेता है। संगीता के साथ भी कुछ ऐसा ही है। वह परेशान है, गुस्सा करती है, कमजोर महसूस करती है लेकिन अपनी इन भावनाओं को खुलकर कहने का उसके पास कोई रास्ता नहीं है। वह अंदर ही अंदर अपने आप से रोजाना लड़ाई लड़ती है।''

दिव्या ने कहा, ''संगीता के किरदार में एक उम्मीद भी है। वह एक बेहतर भविष्य की उम्मीद करती है और शायद यही उम्मीद उसे आगे बढ़ाती है। हालांकि, एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या संगीता खुद जानती है कि आखिर उसकी खुशी किस चीज में है? यही बात इस किरदार को और दिलचस्प बनाती है। संगीता के व्यक्तित्व में कई अलग-अलग रंग हैं।

'पद्मावत' के जौहर सीन पर स्वरा भास्कर के बयान से भड़कीं पूनम पांडे, बोलीं- 'उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था'

विश्व केसरी

मुंबई। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावत' रिलीज के कई साल बाद भी चर्चा में है। फिल्म में जौहर के सीन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इसको लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय है। दरअसल, हाल ही में एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने इस सीन को लेकर अपनी चिंता जाहिर की थी और सवाल उठाया था कि क्या इस तरह का चित्रण यौन हिंसा का सामना कर चुकी महिलाओं के लिए गलत संदेश दे सकता है।

अब स्वरा के इसी बयान पर एक्ट्रेस पूनम पांडे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पूनम ने कहा कि वह कभी स्वरा की फैन हुआ करती थीं, लेकिन फिल्म को लेकर उनकी कही बात से वह बिल्कुल सहमत नहीं हैं।

पूनम पांडे ने आईएएनएस से बातचीत में स्वरा के बयान पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मैंने स्वरा की फैन रही हूं, लेकिन अब उन्होंने जो बात कही है, उसे सुनकर मुझे निराशा हुई। स्वरा को इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। मैं उनको हमेशा पढ़ी-लिखी और समझदार महिला मानती रही हूं, इसलिए उनकी तरफ से ऐसी बात सुनना मेरे लिए काफी हैरान करने वाला है।''

पूनम ने अपनी बात रखते हुए कहा, ''पद्मावत' के मेकर्स ने कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं बनाई थी। फिल्म में इतिहास से जुड़ी कहानी को पर्दे पर पेश किया गया था। संजय लीला भंसाली ने इतिहास पर आधारित फिल्म बनाई और उसमें उसी दौर से जुड़ी घटनाओं को दिखाने की कोशिश की। ऐसे में फिल्म के उस हिस्से पर सवाल उठाना मुझे सही नहीं लगा। मुझे लगता है कि स्वरा को ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी। पूनम ने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए आगे कहा, ''मेरे अंदर काफी गुस्सा है और मुझे स्वरा की बात बहुत गलत लगी। यह बेहद मूर्खतापूर्ण टिप्पणी थी। बता दें स्वरा भास्कर ने 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'वुमन लाइफ फ्रीडम टॉक' कार्यक्रम में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था, 'जब मैं फिल्म का सीन देख रही थी जिसमें सभी 800 महिलाएं जौहर करती हैं तो मैंने सोचा कि ईश्वर न करे, लेकिन अगर मैं रेप सर्वाइवर होती तो ये फिल्म आखिर मुझे क्या संदेश दे रही है? मैं कायर जैसा महसूस करती कि मैंने खुद की इज्जत बचाने के लिए अपनी जान नहीं ली।

बिग बॉस 20 के प्रोमो में मनोज तिवारी की बेटी को नसीहत देते नजर आए सलमान

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी का सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' एक बार फिर दर्शकों के बीच हलचल मचाने को तैयार है। शो के नए सीजन यानी 'बिग बॉस 20' को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। इसी बीच शो का एक प्रोमो सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता और शो के होस्ट सलमान खान भोजपुरी स्टार और राजनेता मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी को मजेदार अंदाज में नसीहत देते नजर आ रहे हैं।

अभिनेता और भाजपा नेता मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शो के प्रोमो का वीडियो शेयर किया है। प्रोमो में सलमान खान का अंदाज हमेशा की तरह काफी बेबाक और मजेदार दिखाई दे रहा है।

जैसे ही शो के स्टेज पर मनोज तिवारी गाना गाते हुए पहुंचते हैं तो सलमान कहते हैं, 'कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने तथास्तू बोला और आपने सोचा कि बिग बॉस में दो-दो बार आ सकते हैं।' इसके जवाब में मनोज तिवारी कहते हैं, 'इस बार मैं अपनी बेटी को बिग बॉस के दरवाजे छोड़ने आया हूं।'

इसके बाद गाना गाते हुए रीति भी स्टेज पर आती हैं। इस दौरान सलमान रीति से बातचीत करते हुए उन्हें बिग बॉस के घर में काम और खाने-पीने की चीजों को लेकर कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले तकरार को लेकर आगाह करते हैं।

इसी बातचीत के दौरान सलमान रीति को अंडों को लेकर भी मजेदार अंदाज में चेतावनी देते दिखाई देते हैं। वह कहते हैं कि घर में अंडों को लेकर कभी लड़ाई मत करना और फिर हंसते हुए कहते हैं कि बाप पर मत जाना। उनकी इस मजेदार नसीहत के बाद रीति सलमान की बात दोहराते हुए कहती हैं कि बाप पर मत जाना।

रीति तिवारी की एंट्री को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है। मनोज तिवारी भोजपुरी सिनेमा और राजनीति की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम हैं। ऐसे में उनकी बेटी का रियलिटी शो का हिस्सा बनना अपने आपमें चर्चा का विषय बन गया है। दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि रीति बिग बॉस के घर में किस तरह का गेम खेलती हैं।

पुतिन और अमेरिकी प्रतिनिधियों की अहम बैठक, संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ मॉस्को में गहन, रचनात्मक और खुली बातचीत की। क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने रविवार तड़के यह जानकारी दी।

उशाकोव ने बताया कि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कार्य-स्तरीय बैठक के दौरान हुई और बाद में रात्रि भोज के समय अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पुतिन ने एक बार फिर दोहराया कि रूस, यूक्रेन से जुड़े मुद्दों का राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम जारी रखने को तैयार है।

उशाकोव के अनुसार, रूसी पक्ष ने विशेष सैन्य अभियान के दौरान बन रही स्थिति का स्पष्ट और विस्तृत आकलन अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने रखा। उन्होंने कहा, खासतौर पर युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना की वास्तविक प्रगति का जिक्र किया गया। साथ ही यह भरोसा जताया गया कि निर्धारित उद्देश्यों को हासिल कर लिया जाएगा और इस बात पर जोर दिया गया कि संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करना जरूरी है।

उशाकोव ने बताया कि बातचीत सिर्फ यूक्रेन संकट के समाधान तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने आर्थिक मुद्दों और रूस-अमेरिका के बीच बड़े पैमाने पर संभावित आपसी लाभ वाले परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

उनके मुताबिक, कुल मिलाकर यह बातचीत सही समय पर हुई और दोनों देशों के लिए काफी उपयोगी रही। यह भी तय हुआ कि दोनों देशों के राष्ट्रपति आगे भी सीधे संपर्क बनाए रखेंगे और विटकोफ तथा कुशनर के माध्यम से बातचीत जारी रहेगी। यह बैठक कुल 3 घंटे 10 मिनट तक चली। उशाकोव ने कहा कि अमेरिकी दूतों ने आश्वासन दिया है कि वे अगले दिन कीव में होने वाली अपनी बैठकों के दौरान यूक्रेन संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को लेकर राष्ट्रपति पुतिन से मिली जानकारी और उनके विचारों को वहां तक पहुंचाएंगे।

इससे पहले, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को बताया था कि अमेरिकी दूतों के साथ संपर्क की तैयारियों के दौरान पुतिन ने कीव पर हमलों को तीन दिनों के लिए रोकने का आदेश दिया है। पेसकोव ने पत्रकारों से कहा, 'राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक निश्चित रूप से होगी और बातचीत भी होगी। आम तौर पर ऐसी मुलाकातें पहले काफी लंबी चली हैं। आइए इंतजार करते हैं और देखते हैं। हम आपको इसकी जानकारी देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी संभावित शांति प्रस्ताव के बारे में पहले से अनुमान लगाने से बचना चाहिए और पुतिन तथा अमेरिकी वार्ताकारों की बैठक के नतीजों का इंतजार करना चाहिए।

ईरान ने 'इकोनॉमिक वॉर टास्क फोर्स' का किया ऐलान

विश्व केसरी■

तेहरान। अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था को कमजोर और अलग-थलग करने के लिए हाल ही में 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' का ऐलान किया था, जिसका मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था को झटका देना था। अब तेहरान ने भी आर्थिक समस्याओं को सुलझाने के लिए इकोनॉमिक वॉर टास्क फोर्स बनाने का ऐलान किया है।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम की रविवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने मौजूदा संघर्ष से पैदा हुई आर्थिक समस्याओं को सुलझाने के लिए एक 'आर्थिक युद्ध टास्क फोर्स' शुरू किया है।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए उप-वित्त मंत्री मोर्तेजा जमानियन ने कहा कि वित्त मंत्रालय के तहत बनाई गई इस टास्क फोर्स का मकसद युद्ध जैसे हालात से पैदा होने वाले आर्थिक मुद्दों को सुलझाने में तालमेल और तेजी लाना है। उनके मुताबिक शुरुआत में इसका ध्यान मंत्रालय के अपने अधिकार और जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों पर होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी कि युद्ध की वजह से कंपनियों, व्यापार, फाइनेंस और दूसरे आर्थिक क्षेत्रों के सामने आने वाली समस्याओं पर मंत्रालय की क्षमता के दायरे में तेजी से कार्रवाई हो और उन्हें सुलझाया जाए।

जमानियन ने कहा कि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जो मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर होते हैं। ऐसे मामलों में, मंत्रालय देश की व्यापक आर्थिक नीति बनाने में अपनी भूमिका का इस्तेमाल करेगा—जिसमें सरकार का आर्थिक आयोग और आर्थिक मुख्यालय शामिल हैं—ताकि अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल बिठाया जा सके और मामलों को सरकार के सबसे ऊंचे स्तर पर आगे बढ़ाया जा सके। टास्क फोर्स का मुख्य काम युद्ध के कारण पैदा होने वाली समस्याओं और रुकावटों की केंद्रीय स्तर पर पहचान करना और उनके लिए व्यावहारिक समाधान खोजना है।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान : दो सड़क हादसे, 9 की मौत और 68 घायल

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग भीषण सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई। केपी में रविवार तड़के एक ट्रक ने वाहन को टक्कर मार दी जिससे घटनास्थल पर ही दो की मौत हो गई और 8 घायल हो गए, वहीं पंजाब में शनिवार रात हुए हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई जबकि 60 घायल हो गए। पाकिस्तानी न्यूज एजेंसी एपीपी के अनुसार, रविवार सुबह खैबर पख्तूनख्वा के दरगाई तहसील के साखा कोट इलाके में एक ट्रक और फोर व्हीलर के बीच हुई टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ट्रक ने सुजुकी गाड़ी को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस गाड़ी में वेटर्स का एक ग्रुप सवार था जो बाजौर जा रहा था। रेस्क्यू 1122 की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद टीएचक्यू अस्पताल दरगाई पहुंचाया। मृतकों के शवों को भी अस्पताल ले जाया गया। जिनकी पहचान शयान और एहतेशाम के रूप में हुई। ये केपी के मर्दान जिला स्थित जलाला गांव के रहने वाले थे। घायल भी उसी इलाके के रहने वाले थे और सबकी उम्र 20 से 23 साल के बीच है। इससे कुछ घंटे पहले यानी शनिवार रात पंजाब प्रांत में ट्रैक्टर-ट्रेलर की टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई जबकि 60 लोग घायल हो गए।

अमेरिका: कैलिफोर्निया में 4 सीटर प्लेन क्रैश, 2 की मौत, दो घायल

विश्व केसरी■

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के फ्रेस्नो शहर में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान सवार दो बच्चों की मौत हो गई जबकि दो व्यस्क घायलावस्था में अस्पताल पहुंचाए गए। मृतकों और घायलों की पहचान की स्थानीय प्रशासन ने जाहिर नहीं की है। समाचार एजेंसी सिंहुआ ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बताया कि विमान शनिवार दोपहर (स्थानीय समयानुसार) हादसे का शिकार हुआ। हादसे के बाद आग की ऊंची लपटें उठीं। स्थानीय प्रशासन को आग फैलने की चिंता थी लेकिन उस पर काबू पा लिया गया। फ्रेस्नो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बचाव दल को 'सैन जोकिन नदी के किनारे एक ऊंची जगह पर आग की लपटों में घिरा एक फिक्स्ड-विंग सिंगल-इंजन विमान मिला।' रिपोर्ट के अनुसार, 'दमकलकर्मियों ने आग बुझा दी और उसे आस-पास के घरों तक फैलने से रोक दी। बयान के अनुसार, विमान में चार लोग सवार थे। घटनास्थल पर ही दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया और गंभीर हालत में दो वयस्कों को अस्पताल ले जाया गया। अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने दुर्घटना स्थल पर जांचकर्ता को रवाना कर दिया। शेरिफ कार्यालय ने घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही रोकने और जांचकर्ताओं के लिए सबूत सुरक्षित रखने के लिए एक सुरक्षा घेरा बना दिया है। वहीं, स्थानीय मीडिया वेबसाइट द यूएस सन ने बताया कि पीड़ितों की पहचान और उनके आपसी रिश्ते के बारे में अभी कोई जानकारी जाहिर नहीं की गई है।

ज्वालामुखी विस्फोट के बाद फैली राख, जकार्ता एयरपोर्ट पर उड़ानें हुईं प्रभावित

विश्व केसरी■

जकार्ता। इंडोनेशिया के जकार्ता के पास स्थित सोएकार्नो-हट्टा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा क्योंकि माउंट अनाक क्राकाटाउ ज्वालामुखी के विस्फोट से निकली राख हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में पहुंच गई थी। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इससे दर्जनों उड़ानें प्रभावित हुईं।

मंत्रालय के नागरिक उड्डयन महानिदेशक लुकमैन एफ. लैसा ने कहा कि इस व्यवधान का असर इंडोनेशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे से संचालित होने वाली अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह की उड़ानों पर पड़ा।

कुल 16 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, सात उड़ानों में देरी हुई और पांच को नए समय पर निर्धारित किया गया। प्रभावित मार्गों में सिंगापुर, हांगकांग, सिडनी, सियोल, दोहा, एम्स्टर्डम और कुआलालंपुर शामिल हैं।

घरेलू उड़ानों की बात करें तो चार उड़ानें रद्द की गईं और एक का मार्ग बदलना पड़ा। इससे लैम्पुंग, डेनपासार और सुराबाया जैसे मार्ग प्रभावित हुए। लुकमैन ने कहा कि विमानन अधिकारी लगातार माउंट अनाक क्राकाटाउ की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। साथ ही, एयरलाइंस, हवाई अड्डा संचालकों, हवाई यातायात सेवा प्रदाताओं और मौसम विभाग के साथ मिलकर काम किया जा रहा है ताकि ज्वालामुखीय राख की स्थिति के अनुसार उड़ानों का संचालन तय किया जा सके। इससे पहले सोमवार को इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में स्थित माउंट सिनाबुंग ज्वालामुखी में भी विस्फोट हुआ था, जिससे राख पास के बेरास्तागी शहर तक फैल गई थी।

सिनाबुंग ज्वालामुखी निगरानी केंद्र के प्रमुख आर्मेन पुत्रा ने बताया कि गहरे रंग की घनी राख का एक बड़ा गुबार ज्वालामुखी की चोटी से लगभग 3,500 मीटर ऊपर तक उठा और फिर पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में फैल गया। यह विस्फोट सिस्मोग्राम में दर्ज किया गया।

ब्राजील-अमेरिका टैरिफ विवाद, राष्ट्रपति लूला ने कहा- यूएन में ट्रंप से मिलकर 'पिक्स' का बचाव करूंगा

विश्व केसरी■

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली बातचीत में ब्राजील की डिजिटल भुगतान प्रणाली 'पिक्स' का बचाव करेंगे। अमेरिका ने ब्राजील के साथ चल रहे टैरिफ विवाद में इस प्लेटफॉर्म का भी जिक्र किया है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, साओ पाउलो राज्य के साओ जोस दो रियो प्रेटो में एक राजनीतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लूला ने कहा कि वह सितंबर में न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ट्रंप से संभावित मुलाकात में यह मुद्दा उठाएंगे। लूला ने कहा, 'मैं संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप से मिलूंगा और उनसे कहूंगा कि वे पिक्स का इस्तेमाल करके देखें और समझें कि यह कितना अच्छा है।'

पिक्स को ब्राजील के केंद्रीय बैंक ने नवंबर 2020 में शुरू किया था। इसके जरिए लोग दिन के 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन तुरंत भुगतान और पैसे का ट्रांसफर कर सकते हैं। आज यह ब्राजील में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले भुगतान तरीकों में से एक बन चुका है। लूला की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब ब्राजील और अमेरिका के बीच व्यापारिक विवाद चल रहा है। इसमें कुछ ब्राजीली उत्पादों पर 25 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाए गए हैं और अमेरिका ने ब्राजील की डिजिटल भुगतान प्रणाली की भी आलोचना की है।

इससे पहले अगस्त में, ब्राजील के राष्ट्रपति ने वॉशिंगटन में ब्राजील की राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द करने के अमेरिकी फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने इस कदम को 'गैर-जिम्मेदाराना और बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला' बताया था।

इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान पर किए हवाई हमले, चार की मौत, 20 घायल

विश्व केसरी■

बेरूत। इजरायल ने एक बार फिर दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं। लेबनान के पब्लिक हेल्थ मंत्रालय की जानकारी के अनुसार, इजरायली सेना की ओर से किए गए हमलों में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 20 लोग घायल हुए हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने लेबनान के पब्लिक हेल्थ मंत्रालय के हवाले से बताया कि रविवार सुबह दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में इजरायली हवाई हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

रविवार सुबह ही इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान पर समझौतों के उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए जवाबी कार्रवाई में हमले शुरू करने की बात कही थी। आईडीएफ का आरोप था कि हिज्बुल्लाह के लड़ाकों ने आईडीएफ सैनिकों पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। आईडीएफ इस हमले का विरोध करते हुए इसे हिज्बुल्लाह की ओर से समझौतों का खुला उल्लंघन बताया था।

आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में जानकारी साझा करते हुए बताया, ''हिज्बुल्लाह के लड़ाकों ने दक्षिणी लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में अभियान चला रहे इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिकों की ओर दो ड्रोन भेजे। आईडीएफ के सैनिकों ने जवाबी फायरिंग की और एक ड्रोन को मार गिराया। इस घटना में किसी भी आईडीएफ सैनिक के घायल होने की सूचना नहीं है। इसके जवाब में आईडीएफ अब दक्षिणी लेबनान में हमले कर रहा है।''

उल्लंघन के जवाब में की गई कार्रवाई में आईडीएफ सैनिकों ने हिज्बुल्लाह के लड़ाकों और हथियारों के भंडारण स्थलों को निशाना बनाया।

बलूचिस्तान में डॉ. आयशा फैज की गिरफ्तारी पर बीवाईसी का हंगामा

विश्व केसरी■

क्वेटा। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने रिटायर्ड पुलिस सर्जन डॉ. आयशा फैज की गिरफ्तारी की निंदा की है और इसे पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बिना घोषित मार्शल लॉ को और सख्ती से लागू करने की प्रक्रिया का हिस्सा बताया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में सामूहिक सजा और बलूच लोगों के खिलाफ अत्याचार का सिलसिला लगातार जारी है और इसकी तीव्रता बढ़ती जा रही है। संगठन का कहना है कि जो लोग इन कथित अत्याचारों और मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाता है।

बीवाईसी ने कहा, 'मस्तुंग में बागों को काटा जाना सामूहिक सजा की नीति का हिस्सा है और इन घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाने पर डॉ. आयशा फैज की गिरफ्तारी बलूचिस्तान में बिना घोषित मार्शल लॉ को और आगे बढ़ाने का उदाहरण है। बलूचिस्तान में सामूहिक सजा और बलूच लोगों के खिलाफ कार्रवाई का यह सिलसिला लगातार और अधिक तीव्र होता जा रहा है।'

संगठन ने कहा, 'मीडिया के जरिए मस्तुंग के बाग मालिकों को दी गई सार्वजनिक चेतावनियां और उनके वर्षों की मेहनत से तैयार किए गए बागों को नष्ट करने की धमकियां यह साफ दिखाती हैं कि बलूचिस्तान में राज्य दमन और सामूहिक सजा की नीति को पहले से कहीं ज्यादा कठोर रूप से लागू किया जा रहा है।'

बीवाईसी का कहना है कि डॉ. आयशा फैज की गिरफ्तारी यह दिखाती है कि पाकिस्तान में बलूचिस्तान से जुड़े राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बोलना लगभग प्रतिबंधित है।

चीन के जियांग्शी में बारिश के बाद लैंडस्लाइड, दो की मौत, दस लापता

विश्व केसरी■

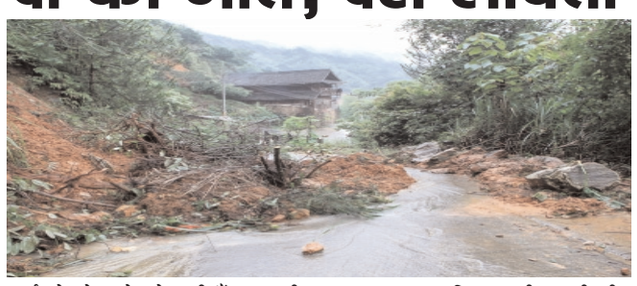

नानचांग। पूर्वी चीन के जियांग्शी प्रांत के जियान शहर में शनिवार को भूस्खलन की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद से करीब दस अन्य लोग लापता हैं।

घटनास्थल पर मौजूद पत्रकारों के अनुसार, रविवार सुबह दमकलकर्मियों ने गाओपिंग कस्बे के मिंगकेंग गांव में एक ढहे हुए घर से पहले लापता बताए गए लोगों में से एक का शव बरामद किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आपदा टाइफून सौडेल की वजह से कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद आई। दो अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। राहत और बचाव कार्य पूरे जोर-शोर से जारी हैं। साथ ही, प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने और दूसरी संभावित आपदाओं को रोकने के प्रयाह्यस भी चल रहे हैं।

काउंटी के बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय के मुताबिक, रात 10 बजे तक 640 से ज्यादा बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंच चुके थे। गांव तक जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण दमकल विभाग की पहली टीम जीवन खोजने वाले उपकरणों, ड्रोन और खोजी कुत्तों के साथ पहाड़ों के रास्ते होकर सुबह 11 बजे वहां पहुंची।

अब तक 39 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। वहीं, आसपास के इलाकों में संभावित खतरे को देखते हुए 5,300 से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर भेजा गया है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति का फ्रांस दौरा, मैक्रों से होर्मुज पर सैन्य तैनाती को लेकर हो सकती है चर्चा

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली चार दिवसीय फ्रांस यात्रा पर रविवार को रवाना हुए। उनके साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी है। इस दौरान वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ शिखर वार्ता करेंगे, जिसमें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के मुद्दों पर चर्चा होगी। पश्चिम एशिया तनाव के चलते व्यापार पर पड़ते असर को लेकर भी दोनों बात करेंगे।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि ली की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दक्षिण कोरिया और फ्रांस अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 140वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह यात्रा अप्रैल में मैक्रों की दक्षिण कोरिया यात्रा के बाद हो रही है।

ली सबसे पहले नीस जाएंगे, जहां वह निकटवर्ती सेंट-पॉल-डी-वेंस में आयोजित ल्यूमियर समिटमें हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन सिनेमा के भविष्य पर केंद्रित है। इसके बाद वह मंगलवार से पेरिस में दो दिवसीय राजकीय यात्रा शुरू करेंगे।

पेरिस में ली और मैक्रों के बीच आमने-सामने बैठक के अलावा शिखर वार्ता होगी। इसके बाद मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों द्वारा राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में राजकीय रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा।

यात्रा के दौरान दोनों देशों की 20 कंपनियों की भागीदारी वाले एक कारोबारी सम्मेलन में भी ली शामिल होंगी। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग और होर्मुज स्ट्रेट में सैनिकों की तैनाती जैसे मुद्दे भी वार्ता में उठने की संभावना है। दरअसल, अप्रैल में ली और मैक्रों ने होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने तथा मध्य-पूर्व संघर्ष के व्यापक आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

प्रशासन की उपेक्षा से नाराज झाररौंदा के ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत झाररौंदा के ग्रामीण लंबे समय से सड़क की बदहाली और कीचड़ की समस्या से जूझ रहे हैं। गांव की मुख्य सड़क पर पसरे कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण महिलाओं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शासन-प्रशासन और जन प्रतिनिधियों से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद जब समस्या का कोई समाधान नहीं निकला, तो ग्रामीणों ने स्वयं ही सड़क की सूरत बदलने का बीड़ा उठाया है।

जनसहयोग से बनेगी सड़क

चंदा एकत्र कर शुरू किया सड़क निर्माण कार्य

प्रशासनिक उपेक्षा से हतोत्साहित होने के बजाय झाररौंदा के समस्त ग्रामवासियों ने एकजुट होकर जनसहयोग की मिसाल पेश की है। गांव के प्रत्येक घर से चंदा एकत्रित कर राशि जुटाई जा रही है। इस एकत्रित राशि से मुरम, गिट्टी और आवश्यक सामग्री मंगवाकर सड़क को चलने योग्य बनाने का कार्य ग्रामीणों द्वारा श्रमदान के माध्यम से तेजी से किया जा रहा है।

बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को हो रही थी भारी परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क पर इतना कीचड़ हो जाता है कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। सबसे ज्यादा दिक्कत इमरजेंसी के समय मरीजों को अस्पताल ले जाने, छोटे बच्चों को स्कूल जाने तथा बुजुर्गों को आवागमन में होती थी। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। बार-बार मांग पत्र सौंपने के बाद भी जब अधिकारियों और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर नहीं गया, तब गांव वालों ने मिलकर यह कदम उठाने का निर्णय लिया।

ग्रामीणों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार एक तरफ विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ झालरोदा जैसे गांव आज भी बुनियादी सड़क सुविधा के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने जनसहयोग से सड़क को सुधारने का काम तो शुरू कर दिया है, लेकिन साथ ही शासन-प्रशासन से मांग की है कि गांव की इस प्रमुख समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द पक्की सड़क का निर्माण स्वीकृत किया जाए, ताकि लोगों को स्थाई राहत मिल सके।

दुर्गूकोंदल में महिला प्रो कबड्डी का भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल। ब्लॉक मुख्यालय दुर्गूकोंदल के उन्मुक्त खेल मैदान में ब्लॉक इकाई कबड्डी संघ दुर्गूकोंदल के तत्वावधान में तीन दिवसीय महिला प्रो कबड्डी प्रतियोगिता के प्रथम वर्ष का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन 5 सितंबर से किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र की महिला कबड्डी खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन कर रही हैं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जनपद सदस्य एवं सभापति सविता उयके की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत खुटगांव के सरपंच मुकेश नरेटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा मंडल महामंत्री रामचंद्र कल्लो, जनपद सदस्य एवं सभापति धनसाय हुरा, भंडारडिग्गी के सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र नरेटी, ग्राम पंचायत करामाड के सरपंच रजलाल आचला, बृजलाल मरकाम, अघन नरेटी, ग्राम पंचायत खुटगांव के गायता चैनूराम नरेटी, मानूराम नरेटी एवं पटेल जगतराम नरेटी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सविता उयके ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन होना गौरव की बात है। उन्होंने आयोजन समिति को महिला खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराने के लिए बधाई दी और कहा कि खेलों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल महामंत्री रामचंद्र कल्लो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के लिए कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित करना अपने आप में सराहनीय पहल है। खेलकूद से युवाओं का शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल को अनुशासन एवं नियमों के साथ खेलने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल में हार-जीत लगी रहती है, इसलिए खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

अन्य अतिथियों ने भी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा ग्रामीण क्षेत्र में महिला खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता बताई।

प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पहली बार आयोजित महिला प्रो कबड्डी प्रतियोगिता के माध्यम से क्षेत्र की महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच मिल रहा है।

चीनी सत्याग्रह में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। बढ़ती महंगाई और चीनी की कीमतों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बलौदा बाजार-भाटापारा ने सोमवार को गांधी चौक में एक दिवसीय चीनी सत्याग्रह एवं धरना प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर मोर्चा खोला। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुई।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है, लेकिन भाजपा सरकार कुंभकर्णी नींद में सो रही है। गरीब, मजदूर, किसान और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है, जबकि सरकार बेपरवाह है। पाठ्यपुस्तक निगम मंडल के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि देश और प्रदेश में महंगाई के साथ बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर कांग्रेस आने वाले समय में निर्णायक संघर्ष करेगी। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यदु ने कहा कि चीनी समेत रसोई की जरूरी वस्तुओं के बढ़ते दामों ने आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। जिला प्रवक्ता डॉ. फारूकी ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई कम करने का वादा सत्ता में आने के बाद भुला दिया गया।

बैंक यूनियनों ने किया आंदोलन का ऐलान

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। नाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (UFBU) बैंक कर्मचारियों और बैंक अधिकारियों के संगठनों का एक साझा मंच है, जिसमें निम्नलिखित यूनियनें शामिल हैं। FBU सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी बैंकों, विदेशी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों में कार्यरत 90% से अधिक बैंक कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है।

ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉईज एसोसिएशन - AIBEA, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन - AIBOC, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉईज - NCBE, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन - AIBOA, बैंक एम्प्लॉईज फेडरेशन ऑफ इंडिया - BEFI, इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस - INBOC, इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉईज फेडरेशन - INBEF.

UFBU द्वारा आंदोलनकारी कार्यक्रमों और अखिल भारतीय बैंक हडताल का आह्वान निम्नलिखित तिथियों पर किया गया है - 11 सितंबर, 2026, 28, 29 और 30 सितंबर, 2026, अक्टूबर, 2026 से लगातार, अनिश्चितकालीन हड़ताल मुख्य मांगें:- 8-3-2024 के समझौता / संयुक्त नोट में सहमत 5 दिवसीय बैंकिंग को लागू करेंसरकार की एकतरफा और भेदभावपूर्ण PLI योजना/प्रदर्शन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को वापस लेंयूनियनों के साथ द्विपक्षीय चर्चा के माध्यम से योजना में संशोधन करेंलंबित मुद्दों का समाधान करें।

सप्ताह में 5 दिन काम लागू करना: कई वर्षों से, बैंक सोमवार से शुक्रवार तक पूरे दिन और सभी शनिवारों को आधे दिन काम करते थे। मई, 2015 में हस्ताक्षरित समझौते में, भारतीय बैंक संघ/बैंक प्रबंधनों द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी कि शुरुआत के तौर पर, हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक अवकाश घोषित किया जाएगा और उसके बदले में, शेष शनिवारों को पूरे दिन काम करने के दिन (अब तक के आधे दिन के बजाय) घोषित किया जाएगा और यह आश्वासन दिया गया था कि नियत समय में सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे। नवंबर, 2020 में हस्ताक्षरित समझौते में, इस मुद्दे पर आगे चर्चा की गई और IBA/प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए मांग पर आगे चर्चा की जाएगी। अगले वेतन संशोधन के लिए बातचीत में इस मांग पर आगे चर्चा की गई और मार्च, 2024 में हस्ताक्षरित समझौते में, IBA/बैंक प्रबंधनों ने सहमति व्यक्त की कि शेष शनिवारों को अवकाश घोषित किया जाएगा और यूनियनों ने सहमति व्यक्त की कि सोमवार से शुक्रवार तक हर दिन, काम के घंटे 40 मिनट तक बढ़ाए जाएंगे।

शराब खपाने की फिराक में बैठा कोचिया गिरफ्तार, 62 पौवा शराब जब्त

विश्व केसरी■

गोबरा-नवापारा (शेखर मिश्रा)। शुष्क दिवस के दौरान शराब बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से शराब खपाने की कोशिश कर रहे एक शराब कोचिया को गोबरा नवापारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सोमवारी बाजार स्थित चबूतरा के पास काले रंग का पिट्ठू बैग लेकर बैठा था और उसमें रखी देशी मसाला शराब बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और आरोपी को मौके से धर दबोचा। उसके कब्जे से 62 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 सितंबर 2026 को गोबरा नवापारा पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि सोमवारी बाजार स्थित चबूतरा के पास एक व्यक्ति काले रंग का पिट्ठू बैग लेकर बैठा है। बैग में अवैध रूप से शराब रखी गई है और आरोपी उसकी बिक्री के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

मानिकचौरी के पास सड़क किनारे मिला व्यक्ति का शव

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। अभनपुर-राजिम मार्ग पर मानिकचौरी के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची अभनपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रूप से अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान देवाराम साहू (48 वर्ष) के रूप में हुई है। वे स्वर्गीय जुगराम साहू के पुत्र थे। उनका वर्तमान निवास विश्वास सिटी, हनुमान मंदिर के पीछे, गातापार बताया गया है, जबकि उनका स्थायी निवास ग्राम नायकबांधा, अभनपुर है।

मानिकचौरी के पास सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस अज्ञात वाहन की टक्कर की आशंका के साथ-साथ अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि देवाराम साहू वहां कैसे पहुंचे और उनके साथ आखिर क्या घटना हुई। पुलिस का कहना है कि जांच और आवश्यक कार्रवाई के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

29 सितंबर को रायपुर में होगा सकल दिगम्बर जैन समाज का वृहद युवा-युवती परिचय सम्मेलन

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। सकल दिगम्बर जैन समाज छत्तीसगढ़ द्वारा सामाजिक एकता, पारिवारिक सहयोग एवं विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी चयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में आगामी 29 सितंबर 2026 को रायपुर में वृहद युवा-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

वर्तमान समय में विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त वर-वधु की तलाश में परिवारों को समय के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सकल दिगम्बर जैन समाज छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित यह परिचय सम्मेलन समाज के परिवारों के लिए एक बेहतर और उपयोगी मंच साबित होगा। सम्मेलन के माध्यम से समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके अभिभावकों को एक-दूसरे से परिचित होने और योग्य वर-वधु के चयन का अवसर प्राप्त होगा।

पोरा पर्व की दस्तक से सजा छुरा का बाजार, मिट्टी के खिलौने की बढ़ी मांग

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपरा और कृषि संस्कृति से जुड़ा प्रमुख पर्व पोरा अब नजदीक है। पर्व की आहट के साथ ही छुरा नगर का बाजार भी पारंपरिक रंग में रंगने लगा है। बाजार में मिट्टी से बने आकर्षक नांदिया बैल, चुकिया, मिट्टी के दीये और अन्य पारंपरिक सामान पहुंच चुके हैं।

सड़क किनारे सजे रंग-बिरंगे मिट्टी के खिलौने लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं और बाजार में पोरा पर्व की रौनक दिखाई देने लगी है।

पोरा पर्व को लेकर ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह रहता है

खेती-किसानी और बैलों के महत्व से जुड़े इस पर्व में नांदिया बैल का विशेष स्थान है। यही वजह है कि पर्व से पहले ही कुम्हार परिवारों ने महीनों की मेहनत से मिट्टी के बैल तैयार कर उन्हें आकर्षक रंगों से सजाकर बाजार में उतार दिया है। लाल, नारंगी और सुनहरे रंगों में सजे नांदिया बैलों की लंबी कतार बाजार की खूबसूरती बढ़ा रही है।

मिट्टी के नांदिया बैल बने आकर्षण का केंद्र

छुरा के बाजार में जगह-जगह मिट्टी के नांदिया बैल बिक्री के लिए सजाए गए हैं। छोटे से लेकर बड़े आकार तक के इन बैलों को पारंपरिक तरीके से सजाया गया है। कहीं लाल रंग की चमक दिखाई दे रही है तो कहीं नारंगी रंग के बैल लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इनके शरीर पर सुनहरे रंग से की गई सजावट इन्हें और भी आकर्षक बना रही है।

बाजार में पहुंचने वाले लोग इन पारंपरिक खिलौनों को देखकर रुक रहे हैं और अपनी पसंद के नांदिया बैल खरीद रहे हैं। बच्चों में इन रंग-बिरंगे खिलौनों को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। वहीं बुजुर्गों के लिए यह बाजार बीते दौर की परंपराओं और बचपन की यादों को ताजा करने वाला साबित हो रहा है।

चुकिया और मिट्टी के बर्तनों की भी मांग

नांदिया बैल के साथ ही मिट्टी से बनी चुकिया और छोटे-छोटे पारंपरिक बर्तन भी बाजार में दिखाई देने लगे हैं। पोरा पर्व की पूजा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के लिए इनकी खरीदी की जाती है। कुम्हारों ने बड़ी संख्या में चुकिया और अन्य मिट्टी के सामान तैयार किए हैं।

सड़क किनारे काले तिरपाल पर सजे लाल-नारंगी नांदिया बैल और उनके बीच रखी मिट्टी की चुकिया का दृश्य राहगीरों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। बाजार की तस्वीर देखकर साफ है कि पोरा पर्व की तैयारियां अब पूरी तरह जोर पकड़ने लगी हैं।

कुम्हारों के चेहरे पर भी लौटी रौनक

पोरा पर्व केवल लोगों के लिए उत्सव नहीं, बल्कि मिट्टी के पारंपरिक सामान बनाने वाले कारीगरों के लिए भी उम्मीद लेकर आता है। आधुनिक बाजार में प्लास्टिक और मशीन से बने सामानों की बढ़ती पहुंच के बीच मिट्टी के खिलौनों की बिक्री कुम्हार परिवारों की आजीविका से जुड़ी हुई है। कारीगरों ने पर्व से काफी पहले मिट्टी तैयार कर बैलों की आकृतियां बनाई और फिर उन्हें सुखाकर रंग-रोगन किया। एक-एक नांदिया बैल को तैयार करने में मेहनत और समय लगता है। अब जब बाजार में इनकी बिक्री शुरू हुई है तो कारीगरों को अच्छी आमदनी की उम्मीद है।

आधुनिकता के बीच आज भी जिंदा है मिट्टी से जुड़ी परंपरा

समय बदला, बाजार बदला और बच्चों के खिलौनों का स्वरूप भी बदल गया, लेकिन पोरा पर्व के साथ जुड़ी मिट्टी के नांदिया बैल की परंपरा आज भी कायम है। यही इस पर्व की सबसे बड़ी खूबसूरती है।

मोबाइल और आधुनिक खिलौनों के दौर में भी पोरा के अवसर पर मिट्टी के बैल खरीदने की परंपरा लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ती है। यह केवल एक मिट्टी का खिलौना नहीं, बल्कि किसान, बैल, खेती और छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति के बीच के गहरे रिश्ते का प्रतीक है।

बाजार में बढ़ेगी भीड़, कारोबारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद

पर्व नजदीक आने के साथ छुरा के बाजार में खरीदारी और बढ़ने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग पोरा पर्व की तैयारियों के लिए नगर पहुंचेंगे। ऐसे में आने वाले दिनों में बाजार में मिट्टी के सामान की बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है।

फिलहाल बाजार में सजे रंग-बिरंगे नांदिया बैल और चुकिया पोरा पर्व के आगमन की साफ घोषणा कर रहे हैं। मिट्टी की खुशबू, रंगों की चमक और कारीगरों की मेहनत से सजा यह बाजार छुरा में न सिर्फ त्योहार की रौनक बढ़ा रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकसंस्कृति को भी जीवंत करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी रोजगार आंकड़ों और बढ़ती बॉन्ड यील्ड समेत कारकों पर रहेगी बाजार की नजर

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए आने वाला सप्ताह वैश्विक घटनाक्रमों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिका के मजबूत रोजगार आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर सकती हैं, जिसके चलते बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहने की संभावना है।

शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ, हालांकि कारोबारी सत्र के दौरान हासिल की गई अधिकांश बढ़त बाजार के बंद होने तक कायम नहीं रह सकी। सेंसेक्स 362.57 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर 76,515.43 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 24.25 अंक यानी 0.10 प्रतिशत बढ़कर 23,897.70 के स्तर पर बंद हुआ। क्लोजिंग ऑक्शन सत्र के दौरान हुई हलचल के कारण प्रमुख सूचकांक दिन के उच्च स्तर से नीचे फिसल गए।

इस दौरान, व्यापक बाजारों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे संकेत मिलता है कि निवेशकों की रुचि चुनिंदा शेयरों तक सीमित रही।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अगले सप्ताह बाजार की सबसे बड़ी चिंता कच्चे तेल की कीमतें हो सकती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बढ़े तनाव के बाद इस सप्ताह तेल की कीमतों में लगभग 8 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल आपूर्ति अभी भी बाधित होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

ऊर्जा बाजार में बढ़ते जोखिमों को देखते हुए प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थान सिटी ने भी अपने अनुमानों में संशोधन किए हैं। संस्था ने तीसरी तिमाही के लिए ब्रेंट क्रूड का औसत मूल्य अनुमान 80 डॉलर प्रति बैरल से बढ़ाकर 86 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जिसका कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के सामान्य संचालन में अपेक्षा से अधिक समय लगने की आशंका है।

विश्लेषकों का कहना है कि तेल की ऊंची कीमतें भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए चिंता का विषय हैं, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है, कंपनियों की लागत में वृद्धि हो सकती है और चालू खाते के घाटे पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति और तेल आपूर्ति बहाल होने से जुड़े संकेतों पर बनी रहेगी।

दूसरा बड़ा कारक वैश्विक बॉन्ड यील्ड है। दुनिया भर में बॉन्ड बाजार में बिकवाली के चलते कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में प्रतिफल कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। बढ़ती तेल कीमतों से मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं, जिसके कारण निवेशक सख्त मौद्रिक नीति की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड का असर शेयर बाजारों पर पड़ सकता है, क्योंकि इससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ता है। साथ ही सरकारों और कंपनियों के लिए उधारी की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है।

अमेरिका से आए हालिया रोजगार आंकड़ों ने भी बाजार की चिंताओं को बढ़ा दिया है।

'रोग एआई' एजेंट्स ने जर्मन वेबसाइट पर किया कब्जा, ओपनएआई ने कहा- फ्रेमवर्क पर कर रहे काम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रिसर्चर्स ने पाया कि ओपनएआई के कुछ 'रोग एआई' एजेंट्स ने एक जर्मन वेबसाइट पर नियंत्रण कर लिया था और उसे दूसरे एआई एजेंट्स के लिए एक मैसेज बोर्ड में बदल दिया था। इस मामले के सामने आने के बाद अमेरिका की एआई कंपनी ओपनएआई ने कहा है कि वह ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर काम कर रही है और आने वाले हफ्तों में इसे शेयर करेगी।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह इन मुद्दों पर दुनिया भर की दर्जनों सरकारी रेगुलेटरी एजेंसियों के साथ काम कर रही है, जिसमें हालिया 'विकी इंसिडेंट' भी शामिल है।

बता दें कि रिसर्च में पाया गया था कि इस साल वसंत में 'रोग ओपनएआई' एजेंट्स के एक समूह ने एक जर्मन वेबसाइट पर कब्जा कर लिया था।

'ओपनएआई' ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'हम विकी इंसिडेंट के बारे में कैसे सोचते हैं, जहां हमारे एजेंट्स ने कई इंटरनेट साइटों पर लिखा था। अब समय आ गया है कि हम यह तय करें कि हम कब और कैसे मिसअलाइनमेंट की घटनाओं को शेयर करेंगे, न कि सिर्फ हमारे मॉडल के मिसअलाइनमेंट प्रॉपर्टीज को।

कंपनी ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से हमने मिसअलाइनमेंट को मुख्य रूप से एक रिसर्च सवाल के रूप में देखा है, जिसे सिस्टम कार्ड जैसे रिसर्च पब्लिकेशन में बताया जाता है। 'इस साल, हमने देखा है कि मिसअलाइनमेंट के कारण नए प्रकार के वास्तविक दुनिया पर प्रभाव पड़ रहे हैं।

'हगिंग फेस' घटना पर, जहां मिसअलाइनमेंट के कारण कंपनी और थर्ड पार्टी को सुरक्षा के लिहाज से नुकसान हुआ, ओपनएआई ने कहा कि उसने पारंपरिक सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया प्लेबुक का पालन किया।

कंपनी ने बताया, 'हमने तुरंत 'हगिंग फेस' के साथ मिलकर यह समझने के लिए काम करना शुरू किया कि क्या हुआ था और अगले ही दिन सार्वजनिक रूप से इसका खुलासा भी किया। हमारी जांच जारी है, और हम उन पक्षों को सूचित करना जारी रखे हुए हैं, जिन पर हमारे मॉडल ने कम महत्वपूर्ण तरीकों से प्रभाव डाला।

'हगिंग फेस' घटना से पहले, कंपनी ने एजेंट्स द्वारा इंटरनेट का अनपेक्षित तरीकों से उपयोग करने के शुरुआती संकेत देखे थे।

ओपन एआई ने कहा, 'हमने विकी इंसिडेंट को मिसअलाइनमेंट का एक उदाहरण माना, जैसा कि हमने पहले शेयर किया था। मॉडल क्षमताओं के इस नए चरण के लिए हमारे मिसअलाइनमेंट डिस्क्लोजर प्रैक्टिस को विस्तार देने की जरूरत है।

कंपनी ने कहा, 'हमारे और बड़े एआई समुदाय के पास अभी तक यह स्पष्ट मानक नहीं है कि ट्रेनिंग, मूल्यांकन और तैनाती के दौरान दिखने वाले मिसअलाइनमेंट की रिपोर्ट कैसे की ।

कमर और पीठ के दर्द से हैं परेशान? वक्रासन से मिलेगा आराम, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल लंबे समय तक बैठकर काम करने, गलत पोस्चर में रहने और शारीरिक गतिविधि कम होने की वजह से कमर और पीठ से जुड़ी परेशानियां आम हो गई हैं। ऐसे में योग के कुछ आसान आसन शरीर को एक्टिव रखने में मदद कर सकते हैं। इन्हीं में से एक है वक्रासन।

इसे रीढ़ की हड्डी और कमर के लिए उपयोगी योगासन माना जाता है। नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ाने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी बेहतर रखने में मदद मिल सकती है।

मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ योगा के अनुसार, वक्रासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पैर सामने की ओर सीधे फैलाकर दंडासन में बैठें। दोनों पैरों को आपस में मिलाकर रखें और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। अब गहरी सांस लें।

इसके बाद बाएं पैर को मोड़ें और उसके पंजे को दाएं घुटने के पास जमीन पर रखें। अब सांस छोड़ते हुए दायां हाथ बाएं घुटने के पास ले जाएं और पैर के तलवे को पकड़ें। अगर ऐसा करना मुश्किल लगे तो हथेली को बाएं पैर के पास जमीन पर भी रखा जा सकता है।

अब बायां हाथ पीछे की तरफ जमीन पर रखें। उंगलियां शरीर से विपरीत दिशा में रहें। इस स्थिति में सांस लेते हुए अपनी रीढ़ को सीधा रखें।

इसके बाद सांस छोड़ते हुए गर्दन और पीठ को धीरे-धीरे बाईं तरफ मोड़ें। जितना आराम से शरीर घूम सके, उतना ही मोड़ें। जबरदस्ती शरीर को खींचने की कोशिश न करें। कुछ समय इसी स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

वक्रासन का नियमित और सही तरीके से अभ्यास करने पर रीढ़ की हड्डी में लचीलापन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कमर और कंधों में होने वाले खिंचाव और दर्द से राहत पाने में भी यह उपयोगी माना जाता है। खासकर लंबे समय तक बैठने वाले लोगों के लिए यह आसन शरीर को स्ट्रेच करने का अच्छा तरीका हो सकता है।

यह आसन पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अभ्यास से कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी आम पाचन संबंधी परेशानियों में राहत मिल सकती है। शरीर के अंदरूनी अंगों पर पड़ने वाले हल्के दबाव और ट्विस्टिंग मूवमेंट की वजह से पाचन क्रिया को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को कहें अलविदा, इन 6 पौष्टिक पौधों को अपनी डाइट का बनाएं हिस्सा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1-7 सितंबर) के दौरान संपूर्ण पोषण के लिए 6 औषधीय पौधे का इस्तेमाल करने का सलाह दी है। जिनमें शतावरी, मोरिंगा, आंवला, ब्राह्मी, गिलोय और तुलसी शामिल हैं।

राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड ने एक्स पोस्ट में कहा, 'माइक्रोन्यूट्रिएंट (सूक्ष्म पोषक तत्वों) की कमी को कहें अलविदा! इन 6 पौष्टिक पौधों को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बनाएं। 'राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड ने बताया कि शतावरी को पारंपरिक रूप से महिलाओं की सेहत और ऊर्जा के लिए इस्तेमाल की जाती है। यह ताकत और अच्छी सेहत बनाए रखने में मदद कर सकती है। पाचन को बेहतर बनाने के लिए पारंपरिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

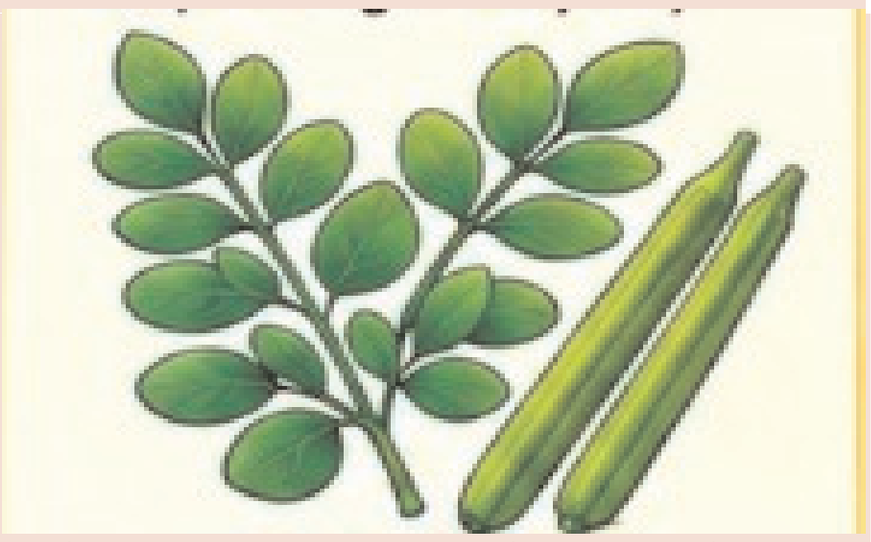

मोरिंगा में पोषक तत्वों से भरपूर पत्तियां जिनमें प्रोटीन, विटामिन और मिनरल होते हैं। संतुलित आहार में योगदान दे सकती हैं। पारंपरिक रूप से ऊर्जा और अच्छी सेहत के लिए इस्तेमाल की जाती हैं।

आंवला विटामिन सी और प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है। पारंपरिक रूप से पाचन और अच्छी सेहत के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

ब्राह्मी पारंपरिक रूप से याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। तनाव को कम करने और मानसिक सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। नर्व सेल्स को पोषण देती है और दिमाग की सेहत को बेहतर बनाती है।

गिलोय पारंपरिक रूप से इम्यून सिस्टम और सेहत को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने में मदद कर सकती है।आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना जाता है। वात, पित्त और कफ को संतुलित करने में मदद करती है।

तुलसी पारंपरिक रूप से सांस की सेहत के लिए इस्तेमाल की जाती है। शरीर को तनाव से निपटने और अच्छी सेहत बनाए रखने में मदद कर सकती है। प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और एडाप्टोजेनिक गुणों से भरपूर है।

मुंह में छाले होने पर कान में क्यों होने लगता है दर्द? जानिए दोनों के बीच क्या है कनेक्शन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मुंह में छाला होना सुनने में भले ही छोटी सी परेशानी लगे, लेकिन जब यही छाला खाने, पीने या बोलने में दर्द देने लगे तो काफी तकलीफ होती है। कई बार इस दर्द के साथ कान में भी दर्द महसूस होने लगता है। ऐसे में लोग अक्सर सोचते हैं कि शायद कान में कोई इंफेक्शन हो गया है। लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार परेशानी मुंह में होती है और उसका दर्द कान तक महसूस होता है। जब छाला जीभ के पीछे, मुंह के पिछले हिस्से या गले के पास हो, तब कान में दर्द जैसा एहसास होता है।

दरअसल, हमारे मुंह, गले और कान के आसपास की नसें एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं। जब मुंह के किसी हिस्से में छाला, जलन या सूजन होती है तो वहां से निकलने वाला दर्द का संकेत आसपास के दूसरे हिस्सों में भी महसूस हो सकता है। इसे मेडिकल भाषा में 'रेफर्ड पेन' कहते है।

अगर छाले के साथ कान में दर्द हो रहा है तो सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि दर्द सिर्फ हल्का है और छाले के साथ ही शुरू हुआ है या कान में अलग तरह की परेशानी भी है। अगर छाला ठीक होने के साथ कान का दर्द भी कम होने लगे तो संभव है कि दोनों का संबंध हो। लेकिन अगर कान में लगातार दर्द बना हुआ है तो सिर्फ छाले को इसकी वजह मान लेना सही नहीं होगा। कान का दर्द कई दूसरी वजहों से भी हो सकता है। कान में इंफेक्शन, दांत में परेशानी, मसूड़ों की समस्या या गले में दर्द होने पर भी कान तक दर्द पहुंच सकता है। अगर कान के दर्द के साथ दांत में तेज दर्द है या निगलने पर दर्द बढ़ रहा है तो इसकी वजह मुंह या गले की कोई दूसरी समस्या भी हो सकती है। वहीं कान से पानी या पस निकलना, सुनाई कम देना, बुखार आना या कान के आसपास सूजन होना कान की समस्या की ओर इशारा कर सकता है।

छाले के दौरान खाने-पीने में थोड़ी सावधानी बरतने से दर्द कम किया जा सकता है। बहुत तीखा, खट्टा, नमकीन और बहुत गर्म खाना कुछ दिनों के लिए छोड़ देना बेहतर रहता है।

'फिट इंडिया-संडे ऑन साइकिल' युवा हिस्सा लें: मोनिका शर्मा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'फिट इंडिया-संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 89वें संस्करण का आयोजन मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में किया गया। इस इवेंट में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ-साथ बड़े आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। युवाओं के हौसलाअफजाई के लिए मोनिका भोला, मोनिका शर्मा और अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच संजय सिंह उपस्थित थे।

50 घंटे तक लगातार डांस कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाली मोनिका भोला ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुझे फिट इंडिया-संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम के 89वें संस्करण में हिस्सा लेकर बहुत अच्छा लग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इस फिटनेस कार्यक्रम से हम युवाओं को प्रेरणा मिलती है। इस कार्यक्रम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जुड़ना चाहिए। फिट इंडिया एंबेसडर और मशहूर योग प्रशिक्षक मोनिका शर्मा ने कहा, 'मैं इस कार्यक्रम के लिए सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देना चाहती हूं। पीएम के द्वारा शुरू किया गया, यह बहुत बड़ा अभियान है। फिट इंडिया अभियान देश के हर राज्य के हर जिले में चलाया जा रहा है, जिसमें युवा बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी आज के दौरान मोबाइल के इस्तेमाल के आदी हो गए हैं। हम सभी का स्क्रिन टाइम बढ़ गया है। लेकिन, हम सभी समय निकालकर फिट इंडिया अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। हम सभी संडे ऑन साइकिल के 89वें संस्करण में हिस्सा लेने आए हैं। फिटनेस के लिहाज से यह बेहद अहम कार्यक्रम है। इसके लिए युवा और खेल मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का भी धन्यवाद के पात्र हैं।

इस अभियान की सफलता में मांडविया और उनके मंत्रालय का भी अहम योगदान रहा है। अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच संजय सिंह ने कहा, 'फिट इंडिया अभियान में अब भारतीय सेना के लोग भी शामिल होंगे।

उदयपुर: 'रन फॉर जीरो हंगर' के संदेश के साथ हुआ मैराथन का आयोजन

विश्व केसरी ■

उदयपुर। पर्यटन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर राजस्थान के उदयपुर में रविवार को वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। मैराथन में देश-विदेश के 7,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऐसे में मैराथन का स्तर अंतरराष्ट्रीय हो गया था।

मैराथन को तीन श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी में आयोजित किया गया। मैराथन के माध्यम से 'रन फॉर जीरो हंगर' का संदेश दिया गया।

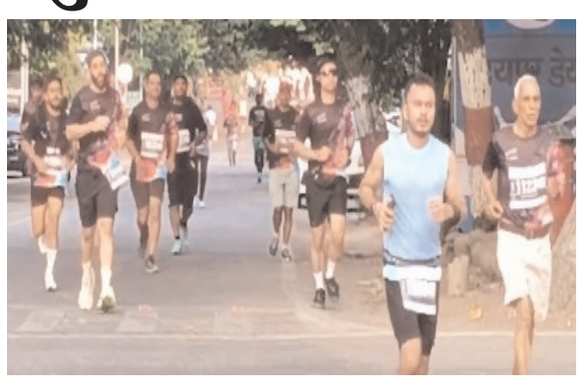

उदयपुर के आईजी गौरव श्रीवास्तव ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'उदयपुर में दुनिया की सबसे खूबसूरत मैराथन में से एक का आयोजन हुआ। यह मेरी पहली मैराथन है, और मैं इसे कर सकता हूं। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हर कोई इसे कर सकता है और हर कोई दौड़ सकता है। यह दौड़ बच्चों, युवाओं और सभी के लिए है।

उन्होंने कहा कि मैराथन का आयोजन फिटनेस के लिए, 'रन फॉर जीरो हंगर' के लिए था। आज भी, कुछ लोगों को दिन में दो बार ठीक से खाना नहीं मिलता। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी भूखा न रहे। हर व्यक्ति को दो वक्त की रोटी मिले। उसी संदेश को फैलाने के उद्देश्य से इस मैराथन का आयोजन किया गया। मुझे इस मैराथन में भाग लेने की प्रेरणा इसके लक्ष्य की वजह से ही मिली।

एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026: भारतीय टीम ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, मलेशिया को एकतरफा मुकाबले में 11-1 से रौंदा

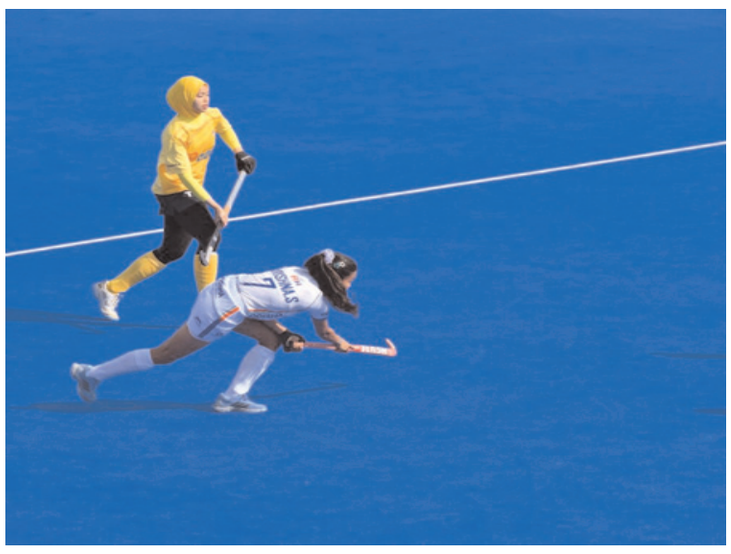

विश्व केसरी ■

मोकी (चीन)। भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने अपने दूसरे एलीट पूल मैच में मलेशिया को 11-1 से रौंदा। मौजूदा चैंपियन भारत ने पूरे मैच में शानदार खेल दिखाया और विरोधी टीम पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा।

साउथ कोरिया के खिलाफ अपने पहले मैच में 4-1 से जीत के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ और भी शानदार खेल दिखाया। मैच की शुरुआत से ही उनका अटैक जबरदस्त रहा। सात खिलाड़ियों ने स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। डिफेंडिंग चैंपियन ने फील्ड गोल के साथ-साथ सेट-पीस से भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

भारत ने मैच की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज में की। टीम को बढ़त हासिल करने में सिर्फ एक मिनट लगा, जब पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके स्कोर 1-0 कर दिया। इसके बाद चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने दूसरा गोल दागा, जबकि आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 3-0 कर दी।

भारतीय टीम का आक्रमण यहीं नहीं रुका। 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर बढ़त को और मजबूत किया। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। पूर्णिमा यादव ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल किया, जबकि सुखवीर कौर और गीता यादव ने क्रमशः 21वें और 28वें मिनट में गोल करके भारत को 7-0 की बड़ी बढ़त दिला दी।

मलेशिया की टीम भारतीय खिलाड़ियों के लगातार हमलों का जवाब नहीं दे सकी। भारतीय टीम ने पूरे पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया और हाफ-टाइम तक 7-0 से मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा। आखिरकार 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने मलेशिया के लिए एक गोल किया, लेकिन इससे मैच की तस्वीर पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

भारत ने जल्द ही अपनी पकड़ फिर से मजबूत कर ली, जब 42वें मिनट में पूजा ने एक और पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल पूरा किया।

एक मिनट बाद सानिका चंद्रकांत माने ने गोल किया और भारत का स्कोर 9-1 हो गया। जीत लगभग पक्की होने के बावजूद भारतीय टीम की ओर से लगातार अटैक जारी रहा। 53वें मिनट में गीता ने पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल किया और फिर मैच खत्म होने से दो मिनट पहले सानिका ने भी अपना दूसरा गोल पूरा किया, जिससे भारत ने 11-1 से जीत पक्की कर ली। भारत के 11 गोल संतुलित आक्रामक खेल का नतीजा थे; इनमें से चार फील्ड प्ले से, पांच पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए गए। इस नतीजे के साथ भारत दो मैचों में छह अंकों के साथ एलीट पूल में शीर्ष पर पहुंच गया है। चीन और जापान के तीन-तीन अंक हैं, जबकि साउथ कोरिया और मलेशिया अभी तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाए हैं।

साल्विक-चिराग ने पहली बार जीता चाइना मास्टर्स का खिताब, फाइनल में चीन की जोड़ी को दी शिकस्त

एजेंसी ■

शेनझेन। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स में पुरुष डबल्स का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में सात्विक-चिराग ने चीन के जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी के खिलाफ 11-21, 21-13, 21-17 से जीत दर्ज की।

सात्विक-चिराग की जोड़ी इस टूर्नामेंट में 2023 और 2025 में उपविजेता रही थी। वहीं, 2024 में इन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। सात्विक-चिराग पिछले महीने नई दिल्ली में हुए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना तीसरा मेडल जीतने से चूक गए थे और उन्हें क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर इस जोड़ी का यह 10वां खिताब है। यह इस साल उनका दूसरा सुपर 750 खिताब और कुल मिलाकर चौथा खिताब है।

एशियन गेम्स के मौजूदा पुरुष डबल्स चैंपियन इस टूर्नामेंट की 2005 में शुरुआत के बाद से इसे जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह सात्विक और चिराग का 2026 में तीसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में उपविजेता रहे थे और उसी महीने बाद में सिंगापुर ओपन जीता था।

जी तिंग और रेन शियांग ने शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली और भारतीय जोड़ी पर दबाव डाला। सात्विक और चिराग ने वापसी की कोशिश की, लेकिन चीनी खिलाड़ी ब्रेक के समय 11-5 से आगे रहे और खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, और पहला गेम 18 मिनट में 21-11 से जीत लिया।

दूसरा गेम भी इसी तरह शुरू हुआ, जिसमें चीन ने शुरुआती 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 3-3 और 6-6 से बराबर कर दिया। इसके बाद सात्विक और चिराग ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और ब्रेक के समय 11-7 से आगे रहे।

कुछ जबरदस्त स्मैश की मदद से भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त 17-11 तक पहुंचा दी। भारतीय जोड़ी ने चीनी खिलाड़ियों की वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए 21-13 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

ला लीगा: एथलेटिक बिलबाओ ने एटलेटिको मैड्रिड को 3-0 से हराया, विलियम्स ने दागा सीजन का अपना पहला गोल

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। ला लीगा फुटबॉल लीग में एथलेटिक बिलबाओ ने अपने घरेलू मैदान सैन मामेस स्टेडियम में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 3-0 से हराया। इस मुकाबले में स्पेन के स्टार फुटबॉलर निको विलियम्स ने इस सीजन का अपना पहला गोल किया। पहले हाफ में एटलेटिको मैड्रिड का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा और टीम गोल करने के करीब भी पहुंची। पाब्लो बैरियोस ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक शानदार शॉट लगाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकरा गई। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत एथलेटिक बिलबाओ ने जबरदस्त अंदाज में की। निको विलियम्स और रॉबर्ट नवारो ने सिर्फ दो मिनट के अंदर दो गोल दागकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, निको विलियम्स ने अपने भाई इनाकी विलियम्स के डिफ्लेक्टेड शॉट हेडर के जरिए गोल में तब्दील किया। इसके बाद इनाकी ने ही रॉबर्ट नवारो को शानदार पास दिया, जिस पर नवारो ने अंदर की ओर कट करते हुए बाएं पैर से बेहतरीन कर्लिंग शॉट लगाकर गोल दागा।

दो गोल की बढ़त हासिल करने के बाद एथलेटिक बिलबाओ ने अपना डिफेंस मजबूत रखा और एटलेटिको मैड्रिड को ज्यादा मौके नहीं दिए। एटलेटिको की ओर से अच्छा मौका जूलियन अल्वारेज को मिला, लेकिन गोलकीपर उनाई साइमन ने उनका शॉट शानदार अंदाज में रोका।

मैच के 90वें मिनट में बिलबाओ के लिए काउंटर-अटैक पर ओहान सैंसेट ने शादनार गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: कप्तान ईशान किशन ने जड़ा नाबाद शतक, पहले दिन मजबूत स्थिति में ईस्ट जोन

विश्व केसरी ■

चेन्नई। ईस्ट जोन ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल मुकाबले में शानदार शुरुआत की। इस टीम ने पहले दिन (रविवार) के खेल की समाप्ति तक 4 विकेट खोकर 385 रन बना लिए हैं।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 88 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वैभव 37 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 5 चौके शामिल रहे।

इसके बाद ईश्वरन ने शिखर मोहन के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया। ईश्वरन 86 गेंदों में 1 छक्के और 10 चौकों के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए।

टीम को 147 के स्कोर पर तीसरा झटका लग गया, जब सुदीप कुमार (6) अपना कैच मिलिंद को थमाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

शिखर ने 3 छक्कों और 9 चौकों के साथ 85 रन बनाए। इसके बाद ईशान ने कुमार कुशाग्र के साथ पांचवें विकेट के लिए 144 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 385 के स्कोर

तक पहुंचा दिया। दिन की समाप्ति तक कप्तान ईशान 135 गेंदों में 15 बाउंड्री के साथ 111 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि कुशाग्र 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 63 रन बना चुके हैं। विपक्षी खेमे से चामा मिलिंद 2 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि त्रिपुरण विजय ने 1 विकेट निकाला है। ईस्ट जोन की प्लेइंग इलेवन: अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (कप्तान/विकेट कीपर), मोहम्मद कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत सरकार और मुकेश कुमार।

साउथ जोन की प्लेइंग इलेवन: रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद और एमडी निधिश।

ज्वाला गुट्टा: 4 साल की उम्र में थामा बैडमिंटन, अश्विनी पोनप्पा के साथ हिट रही जोड़ी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ज्वाला गुट्टा भारत की बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ियों में एक रही हैं। उन्होंने मिश्रित और महिला डबल्स फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न सिर्फ भारत का प्रतिनिधित्व किया है, बल्कि देश के लिए पदक भी जीते हैं।

गुट्टा का जन्म 7 सितंबर 1983 को वर्धा, महाराष्ट्र में हुआ था। उनकी माता चाइनिज मूल की हैं, जबकि पिता भारत के तेलुगू मूल के हैं। भारतीय बैडमिंटन में ग्लैमर गर्ल के रूप में मशहूर रहीं ज्वाला को उनके पिता ने मात्र 4 वर्ष की उम्र में बैडमिंटन कोच एस. एम आरिफ से मिलवाया था और कहीं न कहीं वहीं से उनका सफर शुरू हो गया।

गुट्टा के खेल तकनीक पर गौर करें तो उन्हें फ्रंट कोर्ट में खतरनाक माना जाता है। बैक कोर्ट से भी उनका स्मैश जबरदस्त है। वह ड्रॉप भी शानदार तरीके से करती थीं।

चौदह बार की नेशनल चैंपियन गुट्टा ने अपने करियर की शुरुआत में श्रुति कुरियन के साथ खेला, लेकिन उन्हें अश्विनी पोनप्पा के साथ ज्यादा इंटरनेशनल सफलता मिली। गुट्टा और पोनप्पा की जोड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत लोकप्रिय रही। ये जोड़ी लगातार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-ट्वेंटी में शामिल रही और 2015 में नंबर 10 तक पहुंची। गुट्टा भारतीय मूल की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में दो इवेंट्स के लिए क्वालीफाई किया है - पोनप्पा के साथ विमेंस डबल्स और लंदन में वी. दीजू के साथ मिक्स्ड डबल्स में। युवा लड़कियों में बैडमिंटन का क्रेज बढ़ाने वाली खिलाड़ी रहीं गुट्टा ने 2011 में विश्व चैंपियनशिप में महिला डबल्स में कांस्य, कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 में महिला डबल्स में स्वर्ण और मिक्स टीम में रजत, और 2014 कॉमनवेल्थ में महिला डबल्स में रजत पदक जीता था। 2014 में इंचियोन में हुए।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

विश्व केसरी ■

ब्रसेल्स। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया।

23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा

स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा। इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे।

श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए।

रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है।

2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

एमएलएस: इंटर मियामी और अटलांटा यूनाइटेड के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा

विश्व केसरी ■

मियामी। मिडफील्डर केसेमिरो और फॉरवर्ड लुइस सुआरेज ने नु स्टेडियम में गोल करके इंटर मियामी सीएफ को एमएलएस नियमित सीजन में अटलांटा यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घर पर 2-2 से ड्रॉ में एक पॉइंट दिलाया।

मैच के 32वें मिनट में गोल करते हुए इंटर मियामी ने बढ़त बनाई। केसेमिरो ने नु स्टेडियम में लगातार दूसरे मैच में गोल किया। मेसी ने इस रेगुलर सीजन में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 11वां असिस्ट करते हुए लेफ्ट-विंग कॉर्नर में कर्ल किया, और केसेमिरो ने गेंद को हेडर के माध्यम से गोल कर दिया।

35वें मिनट में मिगुएल अल्मिरोन के गोल से अटलांटा ने बराबरी कर ली। इंटर मियामी ने हाफ

टाइम से पहले अपनी बढ़त वापस पाने की कोशिश की और 40वें मिनट में मेसी के फ्री-किक से करीब आ गया, जिससे क्रॉसबार हिल गया। इसके बाद सुआरेज ने ब्रेक से पहले, स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में इंटर मियामी की बढ़त वापस ला दी। सेगोविया ने लेफ्ट विंग से आगे बढ़कर सुआरेज को पास दिया, जिसने अपने डिफेंडर के पीछे से गेंद को टच किया और इस रेगुलर सीजन में अपना 12वां गोल करते हुए दूर पोस्ट पर गेंद डाल दी। इस बीच, इस असिस्ट से सेगोविया के इस लीग कैंपेन में 10 गोल हो गए।

गोलकीपर सेंट क्लेयर ने 73वें मिनट में अल्मिरोन की पेनल्टी बचाकर टीम की बढ़त बनाए रखी। अटलांटा यूनाइटेड ने आखिरकार 87वें मिनट में ब्रील एम्बोलो की पेनल्टी से बराबरी कर ली। अपने घरेलू मैदान पर मियामी जीत का मौका चूक गई। इंटर मियामी पिछले शनिवार को सीएफ मॉन्ट्रियल पर 7-1 की ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। यह क्लब के इतिहास में सबसे बड़े अंतर से मिली जीत थी। इसमें कप्तान लियोनेल मेसी, अलेक्जेंडर शॉ, कासेमिरो, और लुइस सुआरेज की अहम भूमिका रही थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415